सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

हर दिन जीना एक अभ्यास है..
स्वीकार का, त्याग का और धर्य का..।
....अज्ञात

वर्ष–01 अंक–24 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 11 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

भिलाई निगम में करोड़ों का खेल ! परियोजना शाखा बना भ्रष्टाचार का अड्डा

दो दिन में खुली सियासी जंग, भाजपा-कांग्रेस दोनों जांच के पक्ष में, फिर कौन है किसे बचा रहा ?

आलोक तिवारी / भिलाई

छत्तीसगढ़ के प्रमुख नगर निगमों में शामिल भिलाई नगर निगम इस समय जिस संकट से गुजर रहा है, वह केवल राजनीतिक नहीं बल्कि गंभीर प्रशासनिक और नैतिक संकट बन चुका है। नगर निगम की परियोजना शाखा में करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार ने न सिर्फ सत्ता और विपक्ष को आमने-सामने ला खड़ा किया है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

12.66 करोड़ के कार्यों की एडह जांच की खुली मांग

महापौर परिषद के राजस्व प्रभारी सीजू एंथोनी ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि– वर्ष 2022 से अब तक परियोजना शाखा द्वारा कराए गए 12.66 करोड़ के पेवर ब्लॉक कार्यों सहित सभी निर्माण कार्यों की जांच आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जांच से भाग नहीं रही, बल्कि उच्च स्तरीय एजेंसी से जांच की मांग कर रही है, ताकि कोई भी दोषी बच न सके।

आयुक्त की नियुक्ति पर उठे गंभीर सवाल

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के इशारे पर निगम में आयुक्त की पदस्थापना की गई, ताकि अधिकारियों की आड़ में भ्रष्टाचार किया जाए और राजनीतिक आरोप कांग्रेस पर मढ़े जाएं। इस बयान के बाद मामला सीधे राज्य सरकार और प्रशासनिक नियुक्तियों तक जा पहुंचा है। कलेक्टर के आदेश के बाद भी जांच क्यों नहीं? पूरे प्रकरण में दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। भाजपा पार्षद संतोष मौर्य द्वारा जनदर्शन में दस्तावेजों सहित शिकायत और कलेक्टर के निर्देश के बावजूद– न जांच समिति बनी, न जांच शुरू हुई।

अब सवाल उठ रहा है–कलेक्टर के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? किसके दबाव में प्रशासन चुप है? मंत्री से मिलेंगे पार्षद, बढ़ेगा दबाव। कांग्रेस पार्षदों ने ऐलान किया है कि जल्द ही– महापौर, एमआईसी सदस्य और सभी कांग्रेस पार्षद नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री से मुलाकात कर परियोजना शाखा के सभी कार्यों की सूची सौंपेंगे और एडह जांच की औपचारिक मांग करेंगे। सबसे बड़ा सवालः भ्रष्टाचार का असली सूत्रधार कौन? जब सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों ही जांच की मांग कर रहे हैं, तो शहर पूछ रहा है– भ्रष्टाचार का असली मास्टरमाइंड कौन है? कौन-से अधिकारी वर्षों से सिस्टम के भीतर खेल कर रहे हैं? और किसके संरक्षण में करोड़ों का खेल चलता रहा?

भाजपा का विस्फोट, निगम में मचा भूचाल

सोमवार को भाजपा पार्षदों और संगठन पदाधिकारियों ने संयुक्त प्रेस–वार्ता कर नगर निगम की परियोजना शाखा पर व्यापक वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि– महापौर की चुप्पी और जांच समिति का गठन न होना इस बात का संकेत है कि भ्रष्टाचार को जानबूझकर दबाया जा रहा है। प्रेस–वार्ता में भाजपा प्रदेश संगठन द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी एवं डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक रामजी भारती की मौजूदगी ने इस मुद्दे को प्रदेश–स्तरीय राजनीतिक रंग दे दिया। इसके बाद निगम दफ्तरों में हड़कंप मच गया और शहर में कौन बच रहा है? की चर्चा तेज हो गई।

अधिकारियों की भूमिका सबसे संदिग्ध

कांग्रेस पार्षद आदित्य सिंह ने पूरे प्रशासनिक ढांचे पर सवाल उठाते हुए कहा– बिना अभियंता, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता और आयुक्त की स्वीकृति के न तो काम हो सकता है और न ही भुगतान। ऐसे में सारा दोष सिर्फ जनप्रतिनिधियों पर डालना भ्रामक है। उन्होंने बताया कि यह मुद्दा पहले ही निगम की सामान्य सभा में उठ चुका है और जांच पर सहमति भी बनी थी, लेकिन आज तक कार्रवाई शून्य है।

कांग्रेस का पलटवार, आरोपों को बताया साजिश

भाजपा के तीखे हमले के बाद मंगलवार को कांग्रेस पार्षदों और महापौर परिषद के सदस्यों को सामने आना पड़ा। कांग्रेस की पत्रकार वार्ता में साफ कहा गया कि– महापौर और महापौर परिषद की किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं। भाजपा द्वारा लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित। भ्रष्टाचार हुआ है तो निष्पक्ष जांच से ही सच सामने आएगा। कांग्रेस नेताओं ने इसे राजनीतिक बदनाम करने की साजिश करार दिया।

भिलाई नगर निगम की साख दांव पर

राजनीतिक और प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो यह मामला– केवल निगम तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि पूरे शासन-प्रशासन की साख पर सवाल बन जाएगा। अब सबकी निगाहें शासन पर टिकी हैं। EOW जांच होगी या भ्रष्टाचार का यह मामला भी फाइलों में दफन हो जाएगा?

500 रुपए करोड़ की मानहानि से असम की राजनीति में आया भूचाल

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के तीन दिग्गज नेताओं पर ठोका केस

नई दृष्टिबिंदु / गुवाहाटी-रायपुर

असम की राजनीति में बड़ा सियासी धमाका हुआ है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। यह मुकदमा 10 फरवरी 2026 को गुवाहाटी की अदालत में दायर किया गया, जिसमें दीवानी और आपराधिक–दोनों तरह की कानूनी कार्रवाई शामिल है।

किन नेताओं पर दर्ज हुआ मुकदमा

मुख्यमंत्री सरमा द्वारा दायर इस हाई-प्रोफाइल मानहानि केस में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह और असम कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद गौरव गोगोई को नामजद किया गया है। वहीं, कुछ राजनीतिक और कानूनी हलकों में कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया का नाम भी आगे चलकर मामले में शामिल होने की चर्चा है।

गोगोई के दावे और सरमा का जवाब

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने दावा किया है कि उनके पास मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा नियमों का उल्लंघन कर जमीन हासिल करने से जुड़े दस्तावेज मौजूद हैं। इसके जवाब में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गोगोई पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं और उनके बच्चों के धर्म व पासपोर्ट से जुड़े मामलों को लेकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चुनाव से पहले सियासी तापमान चरम पर

2026 के असम विधानसभा चुनाव से पहले यह कानूनी टकराव राज्य की राजनीति में नई गर्मी लेकर आया है। मामला अब आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर अदालत की दहलीज तक पहुंच चुका है। अब यह तय होना है कि सियासी जंग में लगाए गए आरोपों की सच्चाई क्या है और अदालत किसके पक्ष में फैसला सुनाती है।

मुख्यमंत्री का पलटवार, अदालत में चुनौती

इन आरोपों को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पूरी तरह झूठा, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक बताया है। उन्होंने गुवाहाटी की अदालत में सिविल और क्रिमिनल–दोनों तरह की कार्यवाही शुरू करते हुए साफ कहा है कि अब हिट एंड रन की राजनीति नहीं चलेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर विपक्षी नेताओं को खुली चुनौती दी है कि वे अदालत में अपने आरोपों को सबूतों के साथ साबित करें, अन्यथा 500 करोड़ रुपये का हर्जाना देने के लिए तैयार रहें। सरमा का कहना है कि यह मामला केवल राजनीति का नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत और पारिवारिक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है।

क्या है पूरा विवाद

इस विवाद की जड़ 4 फरवरी 2026 को गुवाहाटी में आयोजित कांग्रेस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस है। इस प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे। कांग्रेस का दावा था कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने असम में करीब 12 हजार बीघा, यानी लगभग चार हजार एकड़ जमीन पर अवैध और बेनामी तरीके से कब्जा कर रखा है। इसी अभियान के तहत कांग्रेस ने "Who Is HBS" नाम से एक वेबसाइट और पंपलेट भी जारी किए थे, जिनमें मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और जमीन घोटाले के आरोप लगाए गए थे।

भूपेश बघेल का जवाब

मानहानि के इस मुकदमे पर भूपेश बघेल ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि केस दर्ज कराने के बजाय मुख्यमंत्री को अपनी संपत्तियों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। बघेल ने मांग की है कि हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए। साथ ही उन्होंने 2006 से 2021 के बीच हिमंत बिस्वा सरमा की संपत्ति में कथित तेज बढ़ोतरी पर भी सवाल उठाए हैं।

सचिन ने देश के दिग्गजों को दिया अपने बेटे के विवाह का निमंत्रण

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा सांसद व नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी का निमंत्रण दिया है। इस मौके पर उनकी पत्नी डॉक्टर अंजलि, बेटे अर्जुन, बेटी सारा और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इनके अलावा देश की और जानी-मानी हस्तियों को सचिन ने अपने बेटे के विवाह का निमंत्रण दिया है।

गड़बड़ी

स्वास्थ्य विभाग के वाहनों की निविदा महीनों से लंबित

जेम पोर्टल खरीदी पर भिलाई नगर निगम में फिर सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की कार्यशैली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। इस बार मामला स्वास्थ्य विभाग के लिए जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से की जाने वाली वाहन खरीदी से जुड़ा है, जहां करोड़ों रुपये की निविदा प्रक्रिया तय समय बीत जाने के बाद भी आज तक पूरी नहीं हो सकी है।

नवंबर में आमंत्रित हुई थी निविदा

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा 20 नवंबर 2025 को जेम पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग हेतु विभिन्न वाहनों की खरीदी के लिए ई-निविदा आमंत्रित की गई थी। इस संबंध में पत्र

क्रमांक जन.स्वा.वि./2025/1084 जारी किया गया, जिस पर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के हस्ताक्षर हैं।

कौन-कौन से वाहन, कितनी राशि?

निविदा में कुल 8 करोड़ से अधिक की खरीदी प्रस्तावित थी, जिसमें शामिल हैं–सक्शन कम जेटिंग मशीन (5000 लीटर व 3000 लीटर), बैकहो लोडर, डंपर (10.5 क्यूम) ई-रिक्शा, मिनी टिपर, सभी निविदाओं की अंतिम तिथि 29 दिसंबर 2025 (या 22 दिसंबर को क्लोज) तय की गई थी और उसी दिन शाम 5:30 बजे निविदा खोले जाने का उल्लेख था।

हैरानी की बात यह है कि– अंतिम तिथि को आज लगभग एक महीना बीत चुका है, लेकिन अब तक न निविदा खोली गई, न ही किसी एजेंसी का चयन किया गया। यह स्थिति तब है, जब नगर निगम को इन वाहनों की तत्काल आवश्यकता बताई जा रही थी।

जब इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद से संपर्क किया गया, तो उनका कहना था– निविदा का परीक्षण किया जा रहा है। कुछ अधिकारी रक्फ़ के कार्य में व्यस्त हैं, इसलिए विलंब हो रहा है।

अब सवालों की बौछार

इस जवाब के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं– क्या कुछ अधिकारियों के बिना नगर निगम का पूरा काम ठप हो जाता है? क्या रक्फ़सिर्फ बहाना बन गया है? क्या किसी विशेष एजेंसी को लाभ पहुंचाने के लिए जानबूझकर समय टाला जा रहा है? अगर निविदा ही नहीं खुलेगी, तो वाहनों की खरीदी कब होगी और निगम की जरूरतें कैसे पूरी होंगी?

जिम्मेदारी तय क्यों नहीं?

सबसे अहम सवाल यह है कि– निविदा परीक्षण की जिम्मेदारी किन अधिकारियों पर है, यह स्पष्ट क्यों नहीं? एक महीने से अधिक समय तक देरी पर किसी की जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई? क्या आयुक्त स्वयं इस प्रक्रिया की निगरानी नहीं कर रहे? लगातार यह देखा जा रहा है कि नगर पालिक निगम भिलाई की– खरीदी प्रक्रिया, निविदा कार्यवाही, और भुगतान प्रणाली, किसी न किसी विवाद या संदेह में घिर जाती है। छत्तीसगढ़ के सबसे समृद्ध और बड़े नगर निगमों में शामिल भिलाई नगर निगम अब संदेहास्पद कार्यप्रणाली के लिए पहचान बनाने लगा है।

जानबूझकर विवादों में लाया जा रहा निगम?

शहर में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि– क्या कुछ अधिकारियों को विवादों में काम करने की आदत पड़ चुकी है? क्या जानबूझकर ऐसी स्थिति बनाई जाती है, जिससे सवाल उठें लेकिन जवाबदेही न तय हो?

जनता का सवाल : पारदर्शिता कब?

आज स्थिति यह है कि– निविदा भी अधर में, जरूरतें भी अधूरी, और जवाबदेही भी गायब। अब बड़ा सवाल यही है– क्या नगर निगम प्रशासन पारदर्शिता के साथ इस निविदा को जल्द पूरा करेगा, या यह मामला भी अन्य विवादित फाइलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअली जुड़कर नव दंपत्तियों को दिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश भर में किया गया। जिसमें 6 हजार 412 जोड़ों ने दांपत्य जीवन में प्रवेश किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वर्चुअली जुड़कर सभी नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन स्व. श्री बी.आर. यादव बहतराई स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में जिले के 175 पात्र जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक धरमलाल कौशिक, दिलीप लहरिया, अटल श्रीवास्तव सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने दंपत्तियों को शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि सरकार निर्धन परिवार के बेटे और बेटियों की चिंता कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत निर्धन परिवारों को बड़ा आर्थिक संबल मिला है और उनके एक बड़े दायित्व को सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने वर-वधुओं को आशीर्वाद देकर उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से सरकार न केवल गरीबों को घर दे रही है बल्कि शौचालय, पानी, बिजली की व्यवस्था सहित उन्हें प्रतिमाह खाद्यान्न भी उपलब्ध करा रही है। रोजगार की उपलब्धता से उनके जीवन स्तर में सतत बदलाव आ रहा है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वरदान है। बहुत सारी बेटियों के हाथ आज पीले हो रहे हैं और मैं उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याण योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए संवेदनशील पहल है। क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह का यह भव्य आयोजन पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया है, जिससे निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने बेटियों के विवाह को सम्मानजनक बनाया है। शासन की ओर से प्रत्येक हितग्राही जोड़े को 35 हजार रुपये का चेक उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इसके साथ ही परिवहन हेतु 1 हजार रुपये की सहायता राशि तथा विवाह के लिए वस्त्र, मंगलसूत्र एवं श्रृंगार सामग्री भी वितरित की गई।

कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, बिल्हा जनपद अध्यक्ष राम कुमार कौशिक, श्रीमती भारती माली, वंदना जेण्ड्रे सहित जिला व जनपद पंचायत बिल्हा के सदस्यगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम में एडीएम शिवकुमार बनर्जी, एसडीएम मनीष साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला बाल विकास विभाग की अधिकारी एवं कमर्चारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : 305 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कोण्डागांव के विकास नगर मैदान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 305 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर दाम्पत्य जीवन की नई शुरुआत की। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री नरपति पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

विधायक सुश्री लता उसेंडी ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा रही है। इसमें से 35 हजार रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा की जाती है, जिससे नवदंपत्ति अपने भविष्य को बेहतर बनाने में उपयोग कर सकें। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह की चिंता दूर हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गरीब परिवारों को सशक्त बनाना है और हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी नवविवाहित जोड़ों से एक-एक पेड़ लगाने का आग्रह किया।

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने भी नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। उन्होंने लोगों से विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची से बचने और पारंपरिक तरीके से विवाह संपन्न कराने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 35 हजार रुपये का चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें नवदंपत्तियों के परिजनों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

बस्तर के सिटी ग्राउंड में गूंजी शहनाई

बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर का प्रतिष्ठित सिटी ग्राउंड मंगलवार 10 फरवरी को एक ऐतिहासिक और भव्य नजारे का गवाह बना, जहां मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 280 जोड़ों ने एक ही मंडप के नीचे अपने नव-दाम्पत्य जीवन की सामूहिक शुरुआत की। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस गरिमामय समारोह ने उस वक्त और भी गौरव हासिल कर लिया, जब पूरे प्रदेश में एक साथ 6,412 जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इसी कड़ी में जगदलपुर का यह आयोजन अपनी पारंपरिक भव्यता और सांस्कृतिक छटा के कारण आकर्षण का केंद्र रहा। समारोह का आगाज एक भव्य बारात के साथ हुआ, जिसमें 280 वरों के साथ उनकी माताएं हाथों में कलश और दीप लेकर परंपरा अनुसार चल रही थीं। बस्तर की पारंपरिक बाजा मोहरी की सुमधुर स्वर लहरियों के बीच निकली इस बारात ने पूरे शहर को उत्सव से भर दिया। विवाह मंडप में हरिद्रालेपन, सासपेडी और जयमाला जैसी रस्में पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हुईं और हवन से उठने वाले सुगंधित द्रव्यों ने समूचे वातावरण को महका दिया। नव-वधुओं ने वरों के साथ एकसूत्र में बंधकर नए जीवन का संकल्प लिया, जिससे सिटी ग्राउंड का माहौल अत्यंत भावुक और उत्साहजनक हो गया। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर नव विवाहित जोड़ों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना गरीब माता-पिता के लिए एक बहुत बड़ा सहारा है। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए बताया कि पूर्व में निर्धन परिवारों को बेटियों के सम्मानजनक विवाह के लिए अपनी संपत्ति तक गिरवी रखनी पड़ती थी, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ने 2005 में इस जिम्मेदारी को उठाया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्ष 2005 में मात्र 5 हजार रुपये की सहायता राशि से शुरू हुई यह योजना आज 50 हजार रुपये तक पहुँच चुकी है, जो गरीब परिवारों के सशक्तिकरण का प्रतीक है। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और विशिष्ट अतिथि इस पुनीत कार्य के साक्षी बने, जिनमें महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी और जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग शामिल थे। इन सभी ने नव-दंपतियों को सुखमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री नंदिनी साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मनोज सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों व कमर्चारियों की सक्रिय मौजूदगी में यह विशाल आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

191 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा

माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर स्थित मेंदक डोबरा मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माँ दंतेश्वरी को साक्षी मानकर 48 कुंडों में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ 191 जोड़े नव दांपत्य जीवन में बंधे। मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ऑनलाइन, वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़े।

उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को नव जीवन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके सुखमय, समृद्ध और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। समारोह में विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के अधिकारी ने भी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराए गए, जिससे आदिवासी संस्कृति, सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता की सुंदर झलक देखने को मिली।

इस दौरान नव दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि माँ दंतेश्वरी के पावन प्रांगण में आयोजित यह मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह हमारे समाज की एक सुंदर और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। आज यहाँ 191 नवदंपति नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं, यह हम सभी के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। इस पवित्र स्थान पर विवाह होना स्वयं में सौभाग्य की बात है, क्योंकि मां दंतेश्वरी की कृपा और हमारे बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके जीवन को सही दिशा देगा। उन्होंने आगे कहा कि जैसे आप सभी ने अब तक अपने माँ-बाप की सेवा और सम्मान किया है, उसी तरह अब अपने सास-ससुर को भी अपने माता-पिता समान मानकर उनकी सेवा करनी है। इसके अलावा ही वर को भी चाहिए कि वह अपनी वधु का सम्मान पूर्वक पालन-पोषण करे, उसकी भावनाओं का आदर करे और जीवन के हर मोड़ पर उसका साथ निभाए। पति-पत्नी एक-दूसरे के पूरक हैं, आपसी प्रेम, विश्वास और सहयोग से ही दांपत्य जीवन सुखमय बनता है। इसके साथ ही उन्होंने सभी के दांपत्य जीवन सुख, शांति और समृद्धि से भरे जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य शासन ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारंभ करके नवदंपत्तियों के लिए अभिभावकों जैसी भूमिका निभाई है। उन्होंने नव विवाहित युगलों से एक अच्छी बहु और अच्छा पति बनने का आग्रह करते हुए कहा कि परिवार को एक रखते हुए वरिष्ठ सदस्यों का ख्याल रखें। साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुंजाम ने कहा कि आपकी खुशियों की इस घड़ी में शामिल होकर हमें गहरी खुशी हुई है। जीवन की हर महत्वपूर्ण घड़ी में राज्य शासन की योजनाएं आपका सहयोग करेंगी। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री वरुण नागेश ने बताया कि इस वर्ष मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कुल 191 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। शासन की ओर से प्रति जोड़े 35 हजार रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से वर-वधु के खातों में अंतरित की गई। वहीं, प्रत्येक जोड़े के लिए 15 हजार रुपये की राशि आयोजन एवं साज-सज्जा पर व्यय की गई।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भास्कर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष गुप्ता,जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। यहां कन्या विवाह दुबे आचार्य के पंडितों द्वारा कराया गया। उल्लेखनीय है कि आयोजित हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह में आत्मसमर्पित नक्सली युगल हिडमें और बामन ने भी सात फेरे लेकर समाज के मुख्यधारा से स्वयं को जोड़ा। इसके अलावा इस विवाह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमित्रा वेको और पोंदुम के सरपंच ने भी अपना विवाह रचाया।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के राज्य स्तरीय आयोजन में आज सामाजिक समरसता और सर्वधर्म सद्भाव का सुंदर दृश्य देखने को मिला, जब बौद्ध धर्म के अनुयायी छह नवदंपत्तियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। बौद्ध परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुए इस विवाह ने मानवीय मूल्यों, करुणा और समानता के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर बौद्धाचार्य भंते श्री ओमप्रकाश सहारे ने बताया कि बौद्ध रीति-रिवाजों के अनुसार महाकारुणिक भगवान गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात नवदंपत्तियों ने त्रिशरण और पंचशील ग्रहण कर धम्म वंदना, बुद्ध वंदना एवं संघ वंदना की तथा जयमंगल अष्टगाथा के पाठ के साथ जयमाला द्वारा एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी नवदंपत्तियों के पास जाकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य सभी वर्गों और धर्मों के परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान करना है, जिससे सामाजिक समरसता और भाईचारा और अधिक सुदृढ़ हो। इस सामूहिक विवाह में डोंगरगढ़ की आँचल टेम्बुलकर एवं आकाश इंदुलकर, छुरिया (राजनांदगांव) की देवनतीन एवं कृष्णा विजय शहरे, आकांक्षा रावत एवं अक्षय कोसरे, अंजली गेड़ाम एवं प्रताप कुमार, सुधा मेश्राम एवं अंकुश वासनिक तथा अर्चना गेड़ाम के विवाह बौद्ध परंपरा के अनुसार संपन्न हुए। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत बौद्ध धर्म के इन नवदंपत्तियों का विवाह सामाजिक समानता, धार्मिक सहिष्णुता और संवेदनशील शासन की सशक्त मिसाल बना, जिसने समरस और समावेशी छत्तीसगढ़ की भावना को और मजबूत किया।

सामाजिक समरसता का विश्व रिकॉर्ड मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता, अंत्योदय और संवेदनशील शासन की भावना को साकार करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि एक समय गरीब परिवारों के लिए बेटी का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, जिसे इस योजना ने सम्मान और भरोसे में बदल दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में रायपुर सहित पूरे प्रदेश में कुल 6,412 जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक जीवन में बंधे। साइंस कॉलेज मैदान में 1,316 नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष रूप से आशीर्वाद प्रदान किया, जबकि अन्य जिलों के जोड़े वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि इस अभूतपूर्व आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह समारोह नहीं, बल्कि सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस वृहद आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति वैगा समुदाय के जोड़े अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधे, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरगुजा एवं बस्तर संभाग के आठ जिलों में इस अभियान की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए शासन के साथ-साथ समाज की सहभागिता आवश्यक है तथा अभियान की सफलता के बाद इसे पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेशवासियों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दो वर्षों में ही मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में मानक बोरा मूल्य में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः प्रारंभ, श्रीरामलला दर्शन योजना तथा भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख भी किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में जनसहभागिता आवश्यक है। कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सर्वसमावेशी सोच का प्रमाण है। कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर तथा बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वणिकां शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव अनेक जनप्रतिधि और अधिकारी कमर्चारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

खास खबर

स्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / जीपीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जीपीएम जिले की स्थापना की छठवीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र की एक बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जिला अस्पताल के नवीन भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नवीन जिला अस्पताल करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। यह अत्याधुनिक अस्पताल 100 बिस्तरयुक्त होगा। इस अस्पताल के बनने से जिले के नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रणव मरपच्ची ने की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव होता है। जीपीएम जिले में नए अस्पताल भवन का निर्माण स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती देगा। टीबी मुक्त और बाल विवाह मुक्त पंचायतें इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन और समाज मिलकर काम करते हैं, तो बड़े सामाजिक बदलाव संभव होते हैं। छत्तीसगढ़ को रोगमुक्त, सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में जिले की 52 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त एवं 71 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया। इन पंचायतों के सरपंचों को प्रशस्ति पत्र एवं महात्मा गांधी जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि बाल विवाह मुक्त घोषित ग्राम पंचायतों में पिछले दो वर्षों में एक भी बाल विवाह के प्रकरण सामने नहीं आए हैं, वहीं टीबी मुक्त पंचायतों में दो से तीन वर्षों से कोई नया प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। यह उपलब्धि जनजागरूकता, स्वास्थ्य विभाग और पंचायतों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

धान के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ते धमतरी के किसान, रागी की खेती में बढ़ी भागीदारी

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

धमतरी जिले में कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। पारंपरिक धान फसल के साथ-साथ अब किसान फसलचक्र परिवर्तन को अपनाते हुए दलहन, तिलहन एवं मोटे अनाजों की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। सरसों, चना, मक्का के साथ-साथ रागी (मंडुआ) की खेती में भी जिले में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। यह परिवर्तन न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि भूमि की उर्वरता बनाए रखने और जल संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रहा है।

जिले में वर्तमान रबी मौसम के दौरान दलहन फसलों के अंतर्गत चना, अरहर एवं मसूर की खेती की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिले में दलहन फसलें लगभग 18,450 हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई हैं, जिनमें चना

का क्षेत्रफल लगभग 14,200 हेक्टेयर, अरहर 2,150 हेक्टेयर एवं मसूर लगभग 2,100 हेक्टेयर है। वहीं तिलहन फसलों में सरसों प्रमुख रूप से किसानों द्वारा अपनाई जा रही है। जिले में तिलहन फसलें लगभग 9,600 हेक्टेयर क्षेत्र में ली जा रही हैं, जिनमें सरसों का रकबा 8,300 हेक्टेयर तथा अन्य तिलहन फसलें 1,300 हेक्टेयर में बोई गई हैं।

इसी कड़ी में मोटे अनाजों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले में रागी फसल की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। रागी कम लागत में अधिक पोषण देने वाली एवं कम पानी में तैयार होने वाली फसल है, जिससे छोटे एवं सीमांत किसानों को विशेष लाभ मिल रहा है। वर्तमान में धमतरी जिले में रागी फसल लगभग 1,250 हेक्टेयर क्षेत्र में ली जा रही है, जिसमें करीब 1,180 किसान रागी की खेती कर रहे हैं।

जिले के मगरलोड विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी (म), भटगांव, सिरकट्टा आदि में रागी फसल की रोपाई का कार्य प्रगति पर है, जहां इस कार्य में महिला कृषकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं खेतों में रागी की रोपाई कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है।

इस संबंध में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले में फसलचक्र परिवर्तन को प्रोत्साहित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। दलहन, तिलहन एवं रागी जैसी फसलों से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि पोषण सुरक्षा एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी मदद मिलेगी। रागी जैसी पोषक फसलों को अपनाने से जिले के किसान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का भी बेहतर ढंग से सामना कर सकेंगे। महिला किसानों की भागीदारी जिले के लिए अत्यंत सराहनीय है।

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, बीज उपलब्धता एवं योजनाओं का लाभ देकर वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में धमतरी जिले को दलहन-तिलहन एवं मोटे अनाज उत्पादन का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

सरकार प्रदेश का कर रही है सर्वांगीण विकास-मंत्री वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मंगलवार को विकासखंड सिमगा के ग्राम खिलौरा पहुंचे, जहां उनके प्रथम आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम खिलौरा में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

लोकार्पित कार्यों में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथना शेड, 1 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से निर्मित पानी टंकी, 3 लाख रुपये की लागत से रंगमंच उन्नयन, 5 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम अहाता तथा 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन (बाल समाज) शामिल हैं। वहीं, 10 लाख रुपये और 9.85 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पीडीएस भवन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर

नागरिक के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। पूरे प्रदेश में विकास कार्य तीव्र गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचने से लोगों में खुशी और विश्वास का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर समृद्धि की बयार बह रही है। मंत्री श्री वर्मा ने उपस्थित स्कूली बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय करेंगे 13 फरवरी को मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के शिमला और छोटा तिब्बत के नाम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। यह महोत्सव रोपाखार जलाशय के समीप 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे।

मैनपाट महोत्सव में लोक गीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। 13 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी प्रस्तुति देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा का प्रसिद्ध छऊ नृत्य की प्रस्तुति होगी। 14 फरवरी को

छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार अपनी सुरीली आवाज से शाम को यादगार बनाएंगी। 15 फरवरी को महोत्सव का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर होंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकार और स्कूली बच्चों के द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा मैनपाट महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस मौके पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जा रही है, जहां शासन की योजनाओं और स्थानीय उत्पादों जैसे टाऊ और तिब्बती हस्तशिल्प का प्रदर्शन होगा। महोत्सव स्थल पर एडवेंचर एक्टिविटी में पर्यटकों के लिए बोटिंग, साहसिक खेल और पारंपरिक दंगल का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव स्थल पर सुरक्षा, पार्किंग और पर्यटकों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। फूड जोन में सरगुजा के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा।

अंबिकापुर मुख्यालय से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित मैनपाट एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जोकि समुद्र तल से 3,781 फीट की ऊंचाई पर है। मैनपाट में बड़ा तिब्बती समुदाय बसा है, जहां का थाकपो शेडुप्लिंग मठ मुख्य आकर्षण है। जलजली- यह एक भूगर्भीय आश्चर्य है जहाँ जमीन दलदली है और कूदने पर स्पंज की तरह हिलती है, इसे म्यूजिकल लैंड भी कहते हैं। उल्टा पानी- यहाँ का पानी ढलान के विपरीत दिशा में बहता है, जो एक अनसुलझा रहस्य है। इसके अलावा टाइगर पॉइंट, मछली पॉइंट, मेहता पॉइंट, सरभंजा जलप्रपात जैसे अनेक दर्शनीय स्थान हैं।

पशुपालन योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय दल

।नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय पशुपालन योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा तीन राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक (नेशनल लेवल मॉनिटर) नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी 9 से 14 फरवरी 2026 तक दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों का दौरा कर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करेंगे।

इस दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर जाकर परीक्षण करेंगे। भ्रमण दल में भारत सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

भ्रमण कार्यक्रम के पहले दिन संचालनालय स्तर पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, पशुधन विकास विभाग तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा केन्द्र से आए अधिकारियों और नेशनल लेवल मॉनिटर दल को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी

कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके बाद भारत सरकार से आए अधिकारी मुकेश शर्मा, ने योजनाओं की समीक्षा। बैठक में राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम के तहत प्रदेश स्तरीय नोडल अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण दिया। वहीं पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की भी जानकारी दी गई।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य पशुपालकों को समय पर लाभ दिलाना और पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना है। नेशनल लेवल मॉनिटर और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने संचालनालय परिसर में स्थित मोबाइल वेटेनरी यूनिट के कॉल सेंटर 1962 का भी निरीक्षण किया और वहां संचालित सेवाओं की जानकारी ली।

हरियाली और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना और जैव विविधता का संरक्षण करना है। इसके माध्यम से वायु की गुणवत्ता सुधारना, मिट्टी के कटाव को रोकना, ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाना और सतत विकास के द्वारा भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ व संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करना है। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से वन विकास निगम एवं एनएमडीसी बचेली के बीच विगत 13 जनवरी को 50 हजार पौधों के रोपण हेतु अनुबंध हुआ है।

इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना, पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना तथा स्थानीय जैव विविधता का संरक्षण करना है। वन विकास निगम वर्ष 2005 से एनएमडीसी के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार पौधारोपण कार्य कर रहा है। अब तक निगम द्वारा कुल 15 लाख 37 हजार पौधों का रोपण किया जा चुका है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिली है और क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार हुआ है। यह पौधारोपण कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा पौधों की देखरेख और संरक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें।

गौरतलब है कि इस अभियान के लिए वन मंत्री केदार कश्यप ने वन विकास निगम की सराहना की है। उनका मानना है कि इस अभियान से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। पौधरोपण, देखरेख और संरक्षण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी से ग्रामीणों की आय में वृद्धि होने की संभावना है।

0 मुख्यमंत्री की मौजूदगी में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग छत्तीसगढ़ और एसटीपीआई के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता

ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में विशेष पहचान बनाएगा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। आधुनिक अधोसंरचना, प्रभावी ई-गवर्नेंस प्रणाली और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ आज आईटी, आईटीईएस एवं इमरजिंग टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के मध्य हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवाओं में उद्यमिता विकसित करने और उन्हें आईटी एवं आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अवसर राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल की गई है। इस एमओयू के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान तथा स्मार्ट कृषि जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी, जो प्रति वर्ष लगभग 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को नवाचार के भीतर ही इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग और आधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उच्च कौशल वाले युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने एसटीपीआई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देशभर में 68 केंद्रों और 24 सेक्टर-विशेष सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से एसटीपीआई का व्यापक अनुभव छत्तीसगढ़ के स्टार्ट-अप और नवाचार इकोसिस्टम को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह एमओयू राज्य के आर्थिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा और छत्तीसगढ़ को डिजिटल नवाचार, तकनीकी उद्यमिता और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में राष्ट्रीय मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, इलेक्ट्रॉनिक और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, निदेशक एसटीपीआई रवि वर्मा, चिप्स के सीईओ प्रभात मलिक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202602101000009

विषयः- ब-121, मामले की श्रेणीः- राजस्व, सनः-2025-2026, कोहका प.ह.न. 00045 [(हे0)], पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार रश्मि भावसार, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रश्मि भावसार पिता/पति/विभाग-स्व० मनमोहन लाल भावसार पता-भिलाई द्वारा ग्राम-कोहका प.ह. न.45 रा.नि.म.कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.न.6487 रकबा 1900 वर्गफिट भूमि रश्मि भावसार पिता/पति/विभाग-स्व० मनमोहन लाल भावसार एव अन्य के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि की ऋण पुस्तिका कही गम हो जाने के कारन डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने भूबाबात आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24-02-2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/02/2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

- ईश्तहार-

रा०प्र०क० ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश कुमार निषाद पिता हीरालाल निषाद निवासी भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 18.06.1991 को होने कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11.02.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.01.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भाजपा में नबीन युग की हुई शुरुआत

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी के 12वें अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की नियुक्ति हो गई है। भाजपा ने संगठन पर्व मना कर उनको अध्यक्ष के पद पर आसीन किया। पिछले महीने 14 दिसंबर को जब उनको कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया उस समय से यह चर्चा चल रही है भाजपा में ये 'नबीन युग' की शुरुआत है। यह एक वर्ड प्ले की तरह है। यहां नए अध्यक्ष के नाम के साथ एक नए युग की शुरुआत का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या भाजपा में सचमुच नए अध्यक्ष के साथ नए युग की शुरुआत होगी और दूसरा सवाल यह है कि क्या सचमुच भाजपा का जो अध्यक्ष होता है उसका कोई युग होता है?

भाजपा के अब तक 11 अध्यक्ष हुए हैं लेकिन सबके कार्यकाल को उसके युग के तौर पर नहीं देखा जाता है। 45 साल पहले जब भाजपा बनी तब से मोटे तौर पर दो ही युग रहे। एक अटल-आडवाणी का युग था और अब मोदी-शाह का युग है। बाकी इनके बीच संक्रमण का काल रहा है। सो, भाजपा में यह मोदी-शाह के युग की ही निरंतरता है। हां, उसमें नितिन नबीन को अपने आप को साबित करना है। उनका कार्यकाल इस बात से साबित होगा कि वे अगले बढ़ कर कितनी चुनौतियां स्वीकार करते हैं और उसको पूरा करने में किस तरह की भूमिका निभाते हैं।

निश्चत रूप से नए अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के नए दौर की या नए युग की शुरुआत नहीं है, बल्कि मोदी-शाह युग की निरंतरता है। इसलिए संगठन का कामकाज पहले की तरह ही चलता रहेगा। फिर भी नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का एक बड़ा संदेश आगे की राजनीति के लिए है। भाजपा ने दिखाया है कि वह आगे की राजनीति के लिए किसी तरह का प्रयोग करने का जोखिम उठाने को तैयार रहती है। यह मामूली फैसला नहीं था कि, जिस नेता के पास संगठन का सामान्य से ज्यादा कोई अनुभव न हो, जिसने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में कोई भूमिका नहीं निभाई हो और अपने राज्य में भी अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर की राजनीति में बहुत सीमित काम किया हो उसको सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया जाए। भाजपा ने यह किया तो इसका एक बड़ा संदेश भाजपा के नेताओं के लिए था तो साथ साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लिए भी था।

याद करें कि पिछले तीन साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कितने तरह के कयास लगाए जा रहे थे। जून 2024 में लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम होकर 240 पर आने के बाद कैसे कहा जा रहा था कि अब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ तय करेगा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। संघ की पसंद के तौर पर भाजपा के कई दिग्गज नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। मोदी और शाह की पसंद के तौर पर भी आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। लेकिन न तो जिनको संघ की पसंद बनाया जा रहा था वे अध्यक्ष बने और न जो बड़े अनुभवी और संगठन से जुड़े नेता थे वे बने। तभी नितिन नबीन का अध्यक्ष बनना एक चुनौतीपूर्ण और जोखिम वाला फैसला भी है।

नितिन नबीन से ज्यादा चुनौती मोदी और शाह की इसलिए है क्योंकि आगे के चुनाव नतीजों और संगठन के कामकाज के लिए जिम्मेदारी उनके ऊपर ही आयद होगी। इस साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी सफलता और विफलता का आकलन नितिन नबीन के कामकाज से नहीं होगा। भाजपा जीतती है तो उसका श्रेय जरूर नितिन नबीन को भी मिल सकता है लेकिन हार का ठीकरा उनके ऊपर नहीं फूटेगा। न तो विपक्ष उनको जिम्मेदार ठहराएगा और न भाजपा के नेता और कार्यकर्ता उनको जिम्मेदार मानेंगे। संगठन के मामले में मोदी और शाह के अब तक के ज्यादातर फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित होते रहे हैं या यूं कहें कि लगातार चुनावी कामयाबी मिल रही है इसलिए संगठन में किसको कहां बैठाया गया यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं रह जाता है। यह बात मोटे तौर पर पार्टी संगठन के पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और भाजपा शासित राज्यों के ज्यादातर मुख्यमंत्रियों के बारे में भी सही है। क्योंकि हर जगह चुनाव मोदी और शाह ही लड़ते दिखते हैं।

आने वाले दिनों में भाजपा की इस राजनीति की निरंतरता बनी रहेगी। अब जो काम जेपी नड्डा करते थे वह काम नितिन नबीन करेंगे। गुणात्मक रूप से कुछ भी बदलने नहीं जा रहा है। प्रतीकात्मक रूप से कुछ संदेश जरूर जाएंगे। जैसे एक संदेश अगड़ी जाति के नेता को अध्यक्ष बनाने का है। पिछले 20 साल से भारतीय जनता पार्टी अगड़ा अध्यक्ष चुनती रही है। नितिन नबीन का चुना जाना उस नीति की भी निरंतरता है। नितिन नबीन के जरिए इसका संदेश पूरे देश में होगा। एक प्रतीकात्मक संदेश पश्चिम बंगाल में भी होगा, जहां ब्राह्मण और कायस्थ भद्रलोक पहले लेफ्ट का समर्थक था और अब ममता बनर्जी का समर्थक है।

नितिन नबीन के जरिए दूसरा संदेश युवाओं का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके अध्यक्ष चुने के बाद के भाषण में कहा कि नितिन नबीन मिलेनियल युवा हैं। उनका जन्म उस साल हुआ था, जिस साल भाजपा का गठन हुआ था। यानी भाजपा के साथ ही 1980 में उनका जन्म हुआ। हालांकि 45 साल का अध्यक्ष बनना भी भाजपा के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी जब पहली बार भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 44 साल थी। अमित शाह भी 49 साल की उम्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे और नितिन गडकरी जब अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 52 साल थी।

इस निरंतरता के बावजूद नितिन नबीन के जरिए भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं को यह बताया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष या किसी भी बड़े पद पर पहुंचने के लिए उम्र, अनुभव या पृष्ठभूमि बहुत अहम नहीं है। नितिन नबीन के मामले में उम्र के पहलू पर ज्यादा जोर इसलिए है क्योंकि इस समय कांग्रेस के राहुल गांधी से लेकर देश के ज्यादातर राज्यों की प्रादेशिक पार्टियों का नेतृत्व अपेक्षाकृत युवा नेताओं के हाथ में है या उनके हाथ में आने वाली है। बिहार में 36 साल के तेजस्वी यादव ने कमान संभाल ली है तो झारखंड में 50 साल के हेमंत सोरेन ने पार्टी और सरकार की कमान संभाली है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव कमान संभाल चुके हैं। तमिलनाडु में उदयनिधि स्टालिन, पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी, महाराष्ट्र में आदित्य ठाकरे जैसे नेता कमान संभालने वाले हैं। उससे पहले भाजपा ने अपनी तीसरी पीढ़ी के नितिन नबीन को मैदान में उतार दिया है।

सो, उम्र का मामला हो या कामकाज के तौर तरीके का उसमें निरंतरता रहेगी। अंत में प्रधानमंत्री ने भी अपने भाषण में कह दिया है कि भाजपा के अध्यक्ष बदलते हैं आदर्श नहीं बदलते। इससे भी जाहिर है कि नीतिगत तौर पर भी कुछ नहीं बदलने वाला है। इसलिए नितिन नबीन की नियुक्ति को भाजपा की मौजूदा राजनीति की निरंतरता के तौर पर ही देखने की जरुरत है।

संपादकीय

अमित शाह ने कहा है तो तय समय में ही होगा अंत

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कई दशक तक गंभीर समस्या रहा है. माना जाता था कि इसका कोई समाधान नहीं है, इसका अंत कभी नहीं हो सकता.यह हमेशा बस्तर में रहेगा ही।इसलिए कोई सरकार कभी नहीं कहती थी वह नक्सली समस्या का अंत कर सकती है, कोई नेता कभी नहीं कहता था इस समस्या का समाधान किसी तय समय में हो सकता है।सब इसे नियंत्रित करने का प्रयास करते रहते थे और बस्तर के घन जंगलों में नक्सलवाद बना रहता था। पैसे खर्च होते थे, समय नष्ट होता था, लेकिन नक्सली गतिविधियों पर रोक कभी नहीं लगती थी। बस्तर में नक्सलियों का समानांतर शासन चलता रहता था।सब कहते थे बस्तर में अन्याय है, शोषण है इसलिए नक्सलवाद है।जल,जंगल,जमीन आदिवासियों से छीनी जा रही है इसलिए नक्सलवाद है। जब तक अन्याय, शोषण है,भ्रष्टाचार है बस्तर में नक्सलवाद रहेगा ही।

बस्तर में नक्सलवाद की सफाया करने की सोच किसी नेता में नहीं थी। इसलिए कई दशक तक नक्सलवाद गंभीर समस्या बना रहा।अमित शाह पहले ऐसे नेता के रूप में सामने आए जिन्होंने विश्वास से कहा कि बस्तर से नक्सलियों का सफाया हो सकता है।इसके लिए उन्होंने शुरुआत की और कोई बहुत समय नहीं हुआ है सायं सरकार के दो साल के भीतर ही उनके प्रयास से आज राज्य में नक्सलवाद अंतिम सांस गिन रहा है।आज सब को भरोसा है कि अमित शाह ने कहा है तो बस्तर ही नहीं देश से नक्सलवाद का सफाया मार्च २६ तक हर हाल में हो जाएगा। अमित शाह ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान फिर से अधिकारियों की समीक्षा बैठक की है और नक्सलियों के सफाए के लिए शेष बचे हुए दिनों में क्या किया जाना है, कैसे किया जाना है, अधिकारियों को समझा दिया है और अधिकारियों ने नक्सलियों के सफाए के लिए जो कुछ किया है उस पर संतोष व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि तय समय में नक्सलियों का सफाया हो जाएगा तो भरोसा किया जा सकता है कि ऐसा होगा ही।

हर बार की तरह अमित शाह ने बस्तर प्रवास के दौरान फिर से एक बार कहा है कि बस्तर में हम गोली नहीं चलाना चाहते, जितने भी नक्सली बचे हैं वह हथियार डाल दें, हम उनका स्वागत करेंगे। अमित शाह ऐसा हर बार इसलिए कहते हैं कि भविष्य में कोई यह न कहे कि भाजपा सरकार ने बंदूक के दम पर नक्सलवाद का सफाया किया। गोली का जवाब गोली से देकर नक्सलवाद का सफाया गया। इस अभियान में बस्तर के नक्सली बने लोग ही मारे गए हैं। इस अभियान में आदिवासी ही मारे गए हैं। अमित शाह जब भी आते हैं यह कहते जरूर है कि हम तो चाहते हैं कि नक्सलवाद समस्या का अंत बिना गोली चलाए हो जाए, सारे नक्सली शांति से हथियार सहित सरेंडर कर दें। नक्सली ऐसा नहीं करते हैं तो वह गोली चलाते हैं तो गोली का जवाब तो गोली से ही दिया जाता है और वह गोली से मारे जाते हैं। अमित शाह जैसा चाहते वैसा होता तो बस्तर में मौजूद कोई नक्सली गोली से नहीं मारा जाता । अमित शाह जैसा चाहते थे वैसा नहीं हुआ इसीलिए बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए है, बड़ी संख्या में नक्सलियों का मारे जाने के बाद ही बडी.संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। अब गिनती के ही नक्सली बस्तर में बचे हैं, उनको सरेंडर का मौका दिया जा रहा है।

अमित शाह अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोगों को यह भी जरूर बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद इसलिए रहा कि यहां कांग्रेस ने इसको संरक्षण दिया। वह ऐसा इसलिए कहते हैं कि कांग्रेस यहां सत्ता की दूसरी दावेदार है। वह सत्ता में आने का प्रयास जरूर करेगी। इसलिए यहां के लोगों को वह याद दिलाना नहीं भूलते है कि भूलकर भी उन लोगों को सत्ता में नहीं लाना जो नक्सलियों को संरक्षण देते थे। वह लोगों को याद दिलाते हैं कि बस्तर नक्सलवाद की संरक्षक कांग्रेस है और बस्तर में विकास का काम भाजपा ने किया है। शाह जानते हैं कि बस्तर से नक्सलवाद का सफाया तो भाजपा सरकार करेगी लेकिन इसका श्रेय लेने के लिए कांग्रेस भी सामने आएगी और कहेगी की बस्तर से नक्सलवाद के सफाए की शुरूआत तो कांग्रेस ने ही की थी।कांग्रेस की नीतियों को आगे बढ़ाकर भाजपा ने बस्तर से नक्सलवाद का सफाया किया है। यही वजह है शाह हमेशा कहते हैं कि कांगेस के कारण ही बस्तर में नक्सलवाद की समस्या रही। क्योंकि वह इसे संरक्षण देती थी।

अमित शाह भाजपा के ऐसे नेता हैं जो किसी काम का बीड़ा उठाते हैं तो वह उस काम को करके भी दिखाते हैं। पीएम मोदी उनको ऐसा काम सौंपते हैं जो कोई और नेता नहीं कर पाता है ।यूपी में भाजपा को जिताकर दिखाया था। वह भी तब जब भाजपा यूपी में कमजोर ही नहीं बहुत कमजोर थी। उसके सत्ता में आने की कोई उम्मीद नहीं थी। इसी तरह पीएम मोदी शाह को देश से आतंकवाद व नक्सलवाद का समाप्त करने का काम सौंपा तो आतंकवाद का तो देश से सफाया हो गया है और नक्सलवाद का सफाया अगले कुछ दिनों में हो जाएगा। देश में शाह को ऐसे नेता के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा जिसने तारीख पहले तय की और नक्सलवाद का सफाया शुरू बाद में किया और समय से पहले करके दिखाया भी।

बसंत पंचमी और सीखने का शांत नवीनीकरण

बसंत पंचमी और सीखने का शांत नवीनीकरण संत पंचमी बसंत पंचमी मनाई, यह एक ऐसा त्योहार है जो चुपचाप बसंत के आने और उसके साथ ही अंदर की दुनिया में एक हल्के बदलाव की निशानी है। मुंबई जैसे शहर में भी, जहाँ मौसम बहुत तेजी से नहीं आते, हम फिर भी इन हल्के बदलावों को महसूस करते हैं: हवा हल्की लगती है, सुबहें हल्की होती हैं, और दुनिया किनारों पर नरम लगती है। बसंत सिर्फ. मौसम में बदलाव नहीं है; यह नएपन का वादा है। सरस्वती पूजा और पवित्र शिक्षा बंगाल में, यह दिन सरस्वती पूजा के रूप में मनाया जाता है, जो माँ सरस्वती, जो शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं, को समर्पित है। यह स्टूडेंट्स और स्कूलों के लिए खास महत्व रखता है, जहाँ उनकी श्रद्धा से पूजा की जाती है, और किताबें, पेन और नोटबुक जैसे सीखने के साधनों की भी पूजा की जाती है। यह एक सुंदर याद दिलाता है कि भारतीय परंपरा में ज्ञान को एक चीज नहीं बल्कि पवित्र चीज माना जाता है।

होते-खोरी और शिक्षा की शुरुआत इस दिन मनाए जाने वाले सबसे दिल को छूने वाले रीति-रिवाजों में से एक है हाते-खोरी, यह वह रस्म है जो बच्चों को शिक्षा से मिलवाती है। लगभग दो या तीन साल के बच्चों को उनकी पहली स्लेट या किताब दी जाती है और उन्हें अपने पहले अक्षर लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे उनकी ज़िंदगी भर की सीखने की यात्रा शुरू होती है। इस इशारे में कुछ बहुत ही दिल को छूने वाला होता है। यह हमें याद दिलाता है कि सीखना एम्बिशन या एंग्जायटी से नहीं, बल्कि आशीर्वाद, क्यूरियोसिटी और कृपा से शुरू होता है। और क्योंकि माँ सरस्वती फाइन आर्ट्स की भी हेड हैं, इसलिए म्यूज़िशियन, कारीगर और आर्टिस्ट भी इस दिन का सम्मान करते हैं, उस इंटेलिजेंस का जश्न मनाते हैं जो सुंदरता के जरिए खुद को जाहिर करती है।

अंदरूनी बदलाव का एक उदाहरण बसंत पंचमी का एक गहरा सिंबॉलिक मतलब भी है। यह अवस्थाओं के बीच पवित्र जगह, अज्ञानता की सर्दी और समझ के वसंत के बीच की दहलीज को दिखाता है। रिसरिचुअल ज़िंदगी में भी, बदलाव शायद ही कभी बिजली की तरह आता है। कभी-कभी यह धीरे से, एक इनसाइट के रूप में आता है। और अक्सर, रोशनी की एक किरण सालों के अंधेरे को खत्म करने के लिए काफी होती है। आज के समय में समझदारी जब हम यह त्योहार मनाते हैं, तो हम इस पर भी सोच सकते हैं कि कैसे हमारी सभ्यता ने हमेशा पवित्र फेमिनिन—शक्ति—का सम्मान किया है, न केवल मंदिरों में बल्कि रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी। औरतें लगातार सीमाएं तोड़ रही हैं और ताकत को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं, साथ ही शांति और प्यार से घरों और दिलों को जोड़े हुए हैं। और शायद बसंत पंचमी हमारे समय के लिए एक और भी गहरी याद दिलाती है: ऐसे जमाने में जहाँ जानकारी कभी खत्म नहीं होती और इंटेलिजेंस की नकल की जा सकती है, असली ताकत ज़्यादा जानने में नहीं, बल्कि बेहतर जानने में है। माँ सरस्वती हमें न सिर्फ. सीखने का आशीर्वाद दें बल्कि समझदारी भी दें, और हमें धीरे-धीरे कन्फ्यूजन से क्लैरिटी की ओर ले जाएँ।

अमित शाह ने कहा है तो तय समय में ही होगा अंत

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कई दशक तक गंभीर समस्या रहा है. माना जाता था कि इसका कोई समाधान नहीं है,, इसका अंत कभी नहीं हो सकता.यह हमेशा बस्तर में रहेगा ही।इसलिए कोई सरकार कभी नहीं कहती थी वह नक्सली समस्या का अंत कर सकती है, कोई नेता कभी नहीं कहता था इस समस्या का समाधान किसी तय समय में हो सकता है।सब इसे नियंत्रित करने का प्रयास करते रहते थे और बस्तर के घन जंगलों में नक्सलवाद बना रहता था। पैसे खर्च होते थे, समय नष्ट होता था लेकिन नक्सली गतिविधियों पर रोक कभी नहीं लगती थी। बस्तर में नक्सलियों का समानांतर शासन चलता रहता था।सब कहते थे बस्तर में अन्याय है,शोषण है इसलिए नक्सलवाद है। जल,जंगल,जमीन आदिवासियों से छीनी जा रही है इसलिए नक्सलवाद है। जब तक अन्याय, शोषण है,भ्रष्टाचार है बस्तर में नक्सलवाद रहेगा ही।

बस्तर में नक्सलवाद की सफाया करने की सोच किसी नेता में नहीं थी। इसलिए कई दशक तक नक्सलवाद गंभीर समस्या बना रहा।अमित शाह पहले ऐसे नेता के रूप में सामने आए जिन्होंने विश्वास से कहा कि बस्तर से नक्सलियों का सफाया हो सकता है। इसके लिए उन्होंने शुरुआत की और कोई बहुत समय नहीं हुआ है साय सरकार के दो साल के भीतर ही उनके प्रयास से आज राज्य में नक्सलवाद अंतिम सांस गिन रहा है।आज सब को भरोसा है कि अमित शाह ने कहा है तो बस्तर ही नहीं देश से नक्सलवाद का सफाया मार्च २६ तक हर हाल में हो जाएगा। अमित शाह ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान फिर से अधिकारियों की समीक्षा बैठक की है और नक्सलियों के सफाए के लिए शेष बचे हुए दिनों में क्या किया जाना है, कैसे किया जाना है, अधिकारियों को समझा दिया है और अधिकारियों ने नक्सलियों के सफाए के लिए जो कुछ किया है उस पर संतोष व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि तय समय में नक्सलियों का सफाया हो जाएगा तो भरोसा किया जा सकता है कि ऐसा होगा ही।

हर बार की तरह अमित शाह ने बस्तर प्रवास के दौरान फिर से एक बार कहा है कि बस्तर में हम गोली नहीं चलाना चाहते, जितने भी नक्सली बचे हैं वह हथियार डाल दें,हम उनका स्वागत करेंगे। अमित शाह ऐसा हर बार इसलिए कहते हैं कि भविष्य में कोई यह न कहे कि भाजपा सरकार ने बंदूक के दम पर नक्सलवाद का सफाया किया। गोली का जवाब गोली से देकर नक्सलवाद का सफाया गया। इस अभियान मे बस्तर के नक्सली बने लोग ही मारे गए हैं। इस अभियान में आदिवासी ही मारे गए हैं। अमित शाह जब भी आते हैं यह कहते जरूर है कि हम तो चाहते हैं कि नक्सलवाद समस्या का अंत बिना गोली चलाए हो जाए, सारे नक्सली शांति से हथियार सहित सरेंडर कर दें। नक्सली ऐसा नहीं करते हैं तो वह गोली चलाते हैं तो गोली का जवाब तो गोली से ही दिया जाता है और वह गोली से मारे जाते हैं।अमित शाह जैसा चाहते वैसा होता तो बस्तर में मौजूद कोई नक्सली गोली से नहीं मारा जाता। अमित शाह जैसा चाहते थे वैसा नहीं हुआ इसीलिए बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए है, बड़ी संख्या में नक्सलियों का मारे जाने के बाद ही बडी. संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। अब गिनती के ही नक्सली बस्तर में बचे हैं, उनको सरेंडर का मौका दिया जा रहा है।

अमित शाह अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोगों को यह भी जरूर बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद इसलिए रहा कि यहां कांग्रेस ने इसको संरक्षण दिया। वह ऐसा इसलिए कहते हैं कि कांग्रेस यहां सत्ता की दूसरी दावेदार है। वह सत्ता में आने का प्रयास जरूर करेगी। इसलिए यहां के लोगों को वह याद दिलाना नहीं भूलते है कि भूलकर भी उन लोगों को सत्ता में नहीं लाना जो नक्सलियों को संरक्षण देते थे। वह लोगों को याद दिलाते हैं कि बस्तर नक्सलवाद की संरक्षक कांग्रेस है और बस्तर में विकास का काम भाजपा ने किया है। शाह जानते हैं कि बस्तर से नक्सलवाद का सफाया तो भाजपा सरकार करेगी लेकिन इसका श्रेय लेने के लिए कांग्रेस भी सामने आएगी और कहेगी की बस्तर से नक्सलवाद के सफाए की शुरूआत तो कांग्रेस ने ही की थी। कांग्रेस की नीतियों को आगे बढ़ाकर भाजपा ने बस्तर से नक्सलवाद का सफाया किया है। यही वजह है शाह हमेशा कहते हैं कि कांगेस के कारण ही बस्तर में नक्सलवाद की समस्या रही। क्योंकि वह इसे संरक्षण देती थी।

अमित शाह भाजपा के ऐसे नेता हैं जो किसी काम का बीड़ा उठाते हैं तो वह उस काम को करके भी दिखाते हैं। पीएम मोदी उनको ऐसा काम सौंपते हैं जो कोई और नेता नहीं कर पाता है ।यूपी में भाजपा को चुनाव जिताने का काम पीएम मोदी ने शाह को सौंपा था तो यूपी में शाह ने भाजपा को जिताकर दिखाया था। वह भी तब जब भाजपा यूपी में कमजोर ही नहीं बहुत कमजोर थी। उसके सत्ता में आने की कोई उम्मीद नहीं थी। इसी तरह पीएम मोदी शाह को देश से आतंकवाद व नक्सलवाद का समाप्त करने का काम सौंपा तो आतंकवाद का तो देश से सफाया हो गया है और नक्सलवाद का सफाया अगले कुछ दिनों में हो जाएगा। देश में शाह को ऐसे नेता के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा जिसने तारीख पहले तय की और नक्सलवाद का सफाया शुरू बाद में किया और समय से पहले करके दिखाया भी।

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

नीरज कुमार दुबे

जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गई और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बफर्बारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।

इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।

सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं।

वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में। यह बधाई न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है, बल्कि इसका व्यापक महत्व यह है कि भारत दोनों देशों के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना चाहता है। भारतीय-जापानी सहयोग का दायरा हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है और इस चुनाव के परिणाम ने इसे और प्रोत्साहन दिया है।

बहरहाल, 2026 का यह जापान चुनाव परिणाम दिखाता है कि जनता ने ठोस नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों तथा देश की रणनीतिक दिशा को समर्थन दिया है। सना इची की जीत सिर्फ एक संसदीय बहुमत नहीं है, बल्कि यह जापान के भविष्य की दिशा को लेकर एक व्यापक विश्वास का प्रतीक भी है। यह जीत जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिये तैयार कर देती है और अब वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण बनने वाली है।

घर के अंदर प्लांट्स लगाने का है मन तो ऐसी होनी चाहिए मिट्टी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आज के समय में अधिकतर लोग प्लांटिंग करना काफी पसंद करते हैं। भले ही स्पेस कम हो, लेकिन फिर भी वे इनडोर प्लांटिंग करते हैं। यह अपने घर को बेहद ही खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपने घर के अंदर प्लांट्स लगाएं और वे कुछ ही दिनों में मुरझा जाएं या फिर उनकी ग्रोथ ही ना हो, तो यकीनन आपको काफी निराशा होगी। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते समय हम उतना ध्यान नहीं देते हैं। पौधे के पोषक तत्व मिट्टी से ही मिलती है। अमूमन इनडोर प्लांटिंग के लिए हमें पॉटिंग मिक्स भी तैयार करना होता है। चूंकि आपके आसपास कई तरह की मिट्टी होती है तो आपको पहले अपने पौधे और उसकी जरूरतों को समझना होता है और फिर उसी के अनुसार मिट्टी का चयन करना होता है।

पॉटिंग मिक्स का करें चयन

इनडोर प्लांटिंग के लिए पॉटिंग मिक्स सबसे अच्छे माने जाते हैं। इनमें काई, वर्मीक्यूलाइट और पेर्लाइट आदि का एक सही मिश्रण होता है। ऐसे में जब इनका इस्तेमाल इनडोर प्लांट्स के लिए किया जाता है तो उसे सभी आवश्यक पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इतना ही नहीं, इनका ड्रेनेज सिस्टम भी काफी अच्छा होता है। जिसके कारण प्लांट्स में रूट रॉट या ओवरवाटरिंग की समस्या नहीं होती है।

पोषक तत्वों पर दें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि उस मिट्टी या पॉटिंग मिक्स में पर्याप्त पोषक तत्व हों। चूंकि इनडोर प्लांट्स बाहरी पौधों की तरह प्राकृतिक वातावरण से पोषक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं और इसलिए वे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों पर निर्भर होते हैं।

चेक करें पीएच लेवल

मिट्टी के पीएच लेवल का सीधा असर प्लांट की ग्रोथ पर पड़ता है। हर प्लांट की जरूरतें अलग होती हैं। हालांकि, अधिकतर इनडोर प्लांट्स थोड़ा सा एसिडिक से न्यूट्रल पीएच रेंज पसंद करते हैं। इसलिए, जब भी आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनें, तो यह देखें कि वह आपके प्लांट्स की जरूरतों को पूरा करता हो।

कंटेनर साइज का भी रखें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांटिंग के लिए मिट्टी को चुन रहे हैं तो आपको कंटेनर के साइज का भी ख्याल रखना चाहिए। मसलन, प्लांटिंग के लिए पॉट साइज छोटा है तो आपको लाइट मिक्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे ओवर वाटरिंग की समस्या ना हो। वहीं अगर पॉट साइज बड़ा है तो ऐसे में आपको ऐसी मिट्टी [illegible] नेज को

स्टेरलाइज मिक्स का करें इस्तेमाल

कुछ इनडोर प्लांट्स कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक सेंसेटिव होते हैं। ऐसे में आपको उनके लिए स्टेरलाइज पॉटिंग मिक्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे पौधों में रोगजनकों के प्रवेश के जोखिम को कम करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है।

गार्डन की मिट्टी ना करें इस्तेमाल

जब भी आप इनडोर प्लांटिंग कर रहे हैं तो आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आप गार्डन की मिट्टी का इस्तेमाल ना करें। गार्डन की मिट्टी थोड़ी अलग होती है और यह कॉम्पैक्ट हो सकती है। जिससे मिट्टी में एयरेशन और ड्रेनेज की समस्या हो सकती है। इससे पौधा मर भी सकता है।

परिवार के लिए अपनी क्षमता से अधिक कार्य करती रहती है गृहिणी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

एक प्रचलित लतीफ़ा है। पति जब दफ़्तर से लौटता है तो पाता है कि सारा घर अस्त-व्यस्त है, बच्चे झगड़ रहे हैं, रसोई भी बिखरी पड़ी है। वह पत्नी से पूछता है तो जवाब मिलता है- 'तुम हमेशा कहते हो न कि आख़िर तुम करती ही क्या हो! तो देख लो, आज मैंने कुछ नहीं किया।' जहां तक स्त्री के काम की बात है, यह लतीफ़ा वास्तविकता बयां करता है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया विशुद्ध रूप से काल्पनिक है। दरअसल, परिवार के भीतर वह रिश्तों को बनाए रखने को अहमियत देती है, बजाय खुद की अहमियत के, इसलिए आमतौर पर ऐसा कुछ नहीं करती जिससे परिवार पर ज़रा भी असर पड़े। लेकिन यह बात कई बार घर के भीतर स्त्री के सम्मान और उसके आत्मसम्मान के विरुद्ध हो जाती है। उसे 'तुम करती ही क्या हो' जैसी बातें सुननी पड़ती हैं। यहां तक कि बच्चे भी 'मम्मी, आप नहीं समझोगी, आप तो चुप ही रहो' सरीखी रूखी टिप्पणियां कर देते हैं। लंबे समय में यह व्यवहार उसके आत्मविश्वास पर भी नकारात्मक असर डालता है और कई अहम मामलों में वह वाक़ई पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो जाती है। इस मामले में पहली ज़िम्मेदारी महिला की है कि वह इस स्थिति को बदलने के प्रयास करे। यह उसके और उसके प्रिय परिवार के हित में होगा। इसके लिए कुछ ठोस क़दम उठाने की ज़रूरत है।

स्पष्ट बात करें और ग़लत को ग़लत कहना सीखें सबसे पहले यह आवश्यक है कि ग़लत को ग़लत कहना सीखें। यदि पति या बच्चों का कोई व्यवहार खलता है तो उन्हें विनम्रता से, लेकिन स्पष्ट शब्दों में बता दें कि ऐसा व्यवहार/टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है। हो सकता है कि वे अब तक अनजाने में ऐसा करते रहे हों और आपका अपमान करने की उनकी कोई मंशा न रहती हो, किंतु आपकी आपत्ति के बाद वे आपकी भावनाओं को समझेंगे। आप आपत्ति उठाने में ज़रा भी छूट न दें। निरंतरता दूसरों के रवैए में तब्दीली लाएगी।

महसूस कराएं कि घर के काम भी महत्वपूर्ण हैं

घर के छोटे-छोटे काम कोई छोटी बातें नहीं हैं। साफ़-सफ़ाई, भोजन बनाना और बच्चों-बुज़ुर्गों की देखभाल- ये सभी काम महत्वपूर्ण हैं। आप सारा बोझ अपने कंधे पर ना लें, बच्चों को शुरू से आदत डालें घर के कामों में मदद करने की। यदि बच्चे बड़े हो गए हैं तब भी देर नहीं हुई है। उन्हें घरेलू ज़िम्मेदारियों में शामिल करें। अपने जीवनसाथी से भी बात करें। वे जितने भी व्यस्त रहते हों, कम से कम सुबह की पहली चाय और छुट्टी के दिन आपका हाथ बंटाने का जिम्मा ले ही सकते हैं। इससे 'तुम करती ही क्या हो' का जवाब खुद-ब-खुद मिल जाएगा। वैसे भी, खाना पकाना, सफ़ाई करना अब जीवन-कौशल हैं जो हर व्यक्ति को आने ही चाहिए।

अपना ध्यान रखें, शौक पूरे करें, सुकून तलाशें

अक्सर गृहिणियों की आदत होती है सुबह के कामों के चक्कर में नाश्ता ना करना, दोपहर में सबको खिलाकर ही खाना खाना, भले ही कोई घर के बाहर गया हो। इसके अलावा, वे मां बनते ही जैसे अपनी अभिरुचियां भी भुला बैठती हैं। एक समय के बाद परिजनों को भी लगने लगता है कि गृहिणी के न तो शौक़ हैं, न ही कोई पसंद-नापसंद। वैसे भी, जब वे स्वयं ही अपनी उपेक्षा करती दिखती हैं तो औरों का ध्यान भी उनकी खुशी-नाखुशी की तरफ़ नहीं जाता। जैसा कि एक अंग्रेज़ी कहावत है, ख़ाली प्याले से आप चाय नहीं परोस सकते, उसी तरह आप अगर भीतर से स्वस्थ और सुकून में नहीं हैं तो आप परिवार की देखभाल भी सही तरीक़े से नहीं कर सकेंगी। अतः अपनी खुराक पर ध्यान दें, अपने शौक़ पूरे करें, किताब पढ़ें, गाने सुनें, बाग़वानी करें। परिवार वालों को स्पष्ट दिखना चाहिए कि आपकी पसंद-नापसंद, अभिरुचियां और खुशियां हैं।

अपना ज्ञान और कौशल बढ़ाएं, निर्भरता कम करें प्रतिदिन अख़बार ज़रूर पढ़ें, आसपास होने वाले बदलावों के साथ चलें और समझें। इससे आप ख़ासतौर पर बच्चों से उनके रुचि अनुसार विषयों पर बात कर सकेंगी। उन्हें पता चलेगा कि मां भी देश-दुनिया की जानकारी रखती हैं और जागरूक हैं। अपना ज्ञान बढ़ाएं। ज़रूरी नहीं कि आप कॉलेज में ही दाख़िला ले लें। नए विषयों पर जानकारी रखना, नई विधाएं सीखना और अपनी दक्षता को बढ़ाना आपके आत्मविश्वास को मज़बूती प्रदान करेगा। इंटरनेट के ज़माने में यह बहुत आसान है। इससे परिवार में आपकी पूछ-परख भी बढ़ेगी। किसी भी नई तकनीक से भागें नहीं, सीखने से साफ़ इनकार न कर दें, बल्कि आगे बढ़कर सीखने में रुचि दिखाएं- चाहे वह स्मार्टफोन चलाना हो या फिर वाहन।

बजट की समझ बढ़ाएं निवेश साधनों को समझें

एक कुशल गृहिणी हमेशा से ही घर का ख़र्च, सामाजिक लेनदेन संभालती आई है। यह अपने आप में एक बहुत महत्वपूर्ण कौशल है। अब एक क़दम आगे बढ़कर निवेश के साधनों की जानकारी प्राप्त करें। बैंकिंग से संबंधित सामान्य कामकाज स्वयं करने की कोशिश करें। वित्त से जुड़े विषयों पर पति और बड़े बच्चों से चर्चा करें। घर में निवेश को लेकर कोई बड़ा निर्णय होना है तो पर्याप्त सूचनाएं अर्जित करके अपने सुझाव अवश्य रखें। गणित लगाना, लेखा-जोखा रखना, आय-व्यय की गणना करना, इन्वेस्टमेंट को जांचना-परखना, इन सबमें भी रुचि लें। हमेशा ध्यान रखें कि जैसे परिवार की खुशी में आपकी खुशी है, वैसे ही परिवार की खुशियां भी आपकी खुशी से जुड़ी हैं। आप प्रसन्न रहेंगी, दूसरों की नज़रों में अपने लिए सम्मान पाएंगी, खुद को अहमियत मिलती देखेंगी, तो स्वाभाविक ही परिवार के लिए बेहतर योगदान दे पाएंगी।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ये संकेत बताते हैं कि आपको सोशल मीडिया ब्रेक की है जरूरत

सोशल मीडिया आज के समय में हर किसी की जिन्दगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। लेकिन कभी-कभी कुछ ऐसे संकेत होते हैं, जो ये बताते हैं कि आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक की जरूरत है।

इंटरनेट के इस युग में हम सभी के लिए सोशल मीडिया एक जरूरत बनता जा रहा है। सुबह उठकर हम सभी सबसे पहले अपने फोन को चेक करते हैं और सोशल मीडिया पर जाकर स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं। दूसरों की पोस्ट को लाइक करने से लेकर कमेंट लिखने व पढ़ने का यह सिलसिला हर किसी की जिन्दगी का एक हिस्सा बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी लाइफ को सोशल मीडिया पर शेयर करना पसंद करते हैं। हालांकि, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन कभी-कभी दूसरों से कनेक्ट करने वाला यह प्लेटफार्म आपकी लत बन जाता है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले लें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो यह बताते हैं कि अब आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक ले लेना चाहिए-

बहुत अधिक तनाव होना

अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से आप खुद को बहुत अधिक तनाव में महसूस करते हैं या फिर आपको एक भारीपन का अहसास होता है तो ऐसे में आपको सोशल मीडिया से ब्रेक ले लेना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया पर मौजूद नेगेटिव खबरों व ऑनलाइन विवादों के लगातार संपर्क में रहने से आप भी नेगेटिव फील कर सकते हैं।

असंतुष्ट महसूस करना

जहां सोशल मीडिया दूसरों से कनेक्ट करने का एक अच्छा तरीका है। वहीं, इन प्लेटफॉर्म पर लोग खुद की तुलना दूसरों से जरूर करते हैं। जिसके कारण उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचती है। यह भी संभव है कि आप दूसरों के जीवन या लाइफस्टाइल को देखकर खुद में असंतुष्टि का अहसास करने लगें। अगर आपके मन में ऐसी फीलिंग्स बढ़ने लगी हैं तो बेहतर होगा कि आप एक कदम पीछे लें और कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

नींद पर असर पड़ना

सेहतमंद रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। लेकिन ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जो सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। खासतौर से, बेडटाइम पर स्क्रॉल करने की उनकी आदत होती है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ है कि आप अपने स्लीप पैटर्न के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे आपको कई तरह के हेल्थ इश्यूज का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि इस आदत को तोड़ने के लिए आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बना लें।

प्रोडक्टिविटी में कमी आना

जिन लोगों को सोशल मीडिया की लत लग जाती है, वे अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही बिताना पसंद करते हैं। ऐसे में उनकी प्रोडक्टिविटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। हो सकता है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार काम ना कर रहे हों या फिर उनके काम की क्वालिटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगा हो। अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो आपको सोशल मीडिया को अलविदा कह देना चाहिए।

नाश्ते में बनाएं राजस्थानी वड़ा गलगल का अचार और पौष्टिक चीला

गलगल का अचार

क्या चाहिए - गलगल- 2 किलो, हरी मिर्च- 250 ग्राम, अदरक- 250 ग्राम, सरसों का तेल- 200 मि.ली, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 2 बड़े चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, हींग- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, काला नमक- 2 बड़े चम्मच, सादा नमक- 1 बड़ा चम्मच, शक्कर- 200 ग्राम।

ऐसे बनाएं - एक बड़े बर्तन में पानी को तेज़ आंच पर गर्म करें। उबाल आने पर साबुत गलगल (नींबू) डालकर 3-4 मिनट उबालें। पानी निथारकर गलगल को पोंछकर सुखा लें। इनको एक इंच के टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। हरी मिर्च को एक इंच टुकड़ों में काटें। अदरक के भी एक इंच लंबे कतरे करें। पैन में सरसों का तेल मध्यम से तेज़ आंच पर गर्म करें। जब इसमें से धुआं निकलने लगे तो इसे आंच से हटा दें। तेल को दस मिनट तक ठंडा करें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग, अजवाइन, मेथी दाने, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें डालें गलगल, अदरक और हरी मिर्च। अच्छी तरह से मिलाकर जार में भरें। जार को 15-20 दिन के लिए धूप में रखें जब इसका रंग गहरा और नींबू मुलायम न हो जाए। तैयार अचार को पराठों, चीले आदि के साथ परोसें।

राजस्थानी पौष वड़ा

क्या चाहिए - चावली दाल- 1 कप, चना दाल- 1/2 कप, मूंग की धुली दाल- 1/2 कप, मेथी दाने- 2 छोटे चम्मच, साबुत धनिया- 2 छोटे चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, लौंग- 4, काली मिर्च- 5, हरी मिर्च- 3 कटी हुई, अदरक- 1/2 छोटा चम्मच कटी हुई, हरा धनिया- थोड़ा-सा कटा हुआ, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए।

ऐसे बनाएं - सभी दालों को रातभर अलग-अलग पानी में भिगोकर रखें। फिर इन्हें निथारकर दरदरा पीस लें। दालों को पीसते समय अगर पानी कम लगे तो 1-2 बड़े चम्मच पानी डाल सकते हैं। ज़्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे घोल पतला हो जाएगा। लौंग, काली मिर्च, मेथी दाने और साबुत धनिया को भी अलग से दरदरा पीस लें। बोल में पीसी हुई दालें, पीसे हुए मसाले समेत सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। एक-एक करके घोल के वड़े तेल में डालें। वड़ों को मध्यम आंच पर सुनहरा-भूरा और कुरकुरा होने तक तलें। चाय या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म वड़े परोसें।

मेथी पालक चीला

क्या चाहिए - पालक- 1 कप कटी हुई, मेथी- 1/4 कप कटी हुई, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, पुदीना- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 कटी हुई, अदरक- 1/4 छोटा चम्मच कटी हुई, बेसन- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, तेल- सेंकने के लिए।

ऐसे बनाएं - बोल में बेसन, पालक, मेथी, मसाले समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल बनाएं। अब गर्म तवे पर तेल लगाएं और घोल से चीला फैलाएं। चीले पर तेल लगाते हुए दोनों तरफ़ से सेंकें। जब यह सुनहरा हो जाए तो इस पर कीसा हुआ पनीर और पसंदीदा चटनी लगाएं। इसे अचार के साथ भी परोस सकते हैं।

रिटायरमेंट के बाद इस फील्ड में काम करना चाहते हैं अरिजीत सिंह

म्यूजिक कंपोजर विशाल शेल्के कई फिल्मों में अपने शानदार काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपकमिंग फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं' के लिए भी गाने बनाए हैं। अरिजीत के सिंगिंग छोड़ने के फैसले ने कई फैंस का दिल तोड़ा। लोगों के मन में सवाल था कि अब अरिजीत क्या करेंगे? इस मामले पर विशाल ने अपनी राय रखी और अरिजीत के इस फैसले पर खुलकर बातचीत की।

म्यूजिक से जुड़े रहेंगे अरिजीत

अरिजीत से जब विशाल ने पर्सनली बातचीत की, तो उन्हें पता चला कि अरिजीत रिटायर नहीं हो रहे हैं, बल्कि अपना समय म्यूजिक से जुड़ी और अन्य चीजों में लगाना चाहते हैं। मनी कंट्रोल के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, 'अरिजीत के इस फैसले के पीछे सिर्फ यही वजह नहीं है, जो दिख रही है। इसके पीछे और भी बहुत कुछ है। अरिजीत ने यह फैसला लिया है कि अब वह प्लेबैक सिंगिंग नहीं करेंगे। हालांकि वह म्यूजिक से जुड़े रहेंगे। वह खुद के गाने बनाते और गाते रहेंगे। उनका अपना चैनल भी है। तो वह म्यूजिक में काम करते रहेंगे। साथ ही वह आगे कॉन्सर्ट्स भी करेंगे।'

क्या फिल्ममेकिंग करना चाहते हैं अरिजीत?

विशाल शेल्के ने आगे बताया 'अरिजीत का यह फैसला म्यूजिक से आगे बढ़कर कहानी कहने और क्रिएटिव कामों के प्रति बढ़ते जुनून से जुड़ा है। अरिजीत की फिल्ममेकिंग में गहरी दिलचस्पी है। शायद वे अपनी कोई फिल्म बनाएं। यह तो सेक्टर है जिस पर अरिजीत फिलहाल फोकस कर रहे हैं। यही वजह है, जिसके लिए अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने का फैसला किया है।'

अरिजीत सिंह पिछले महीने अचानक प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने का एलान करके हर किसी को हैरान कर दिया था। सिंगर ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हैलो, आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं। इतने साल तक श्रोताओं के रूप में मुझे इतना प्यार देने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब से प्लेबैक वोकलिस्ट के रूप में कोई नया असाइनमेंट नहीं लूंगा। मैं इसे अलविदा कह रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।'

हालांकि, अरिजीत ने स्पष्ट किया था कि वे संगीत बनाना जारी रखेंगे और कॉन्सर्ट भी करते रहेंगे।

दो भाषाओं में एक साथ शूट करना आसान नहीं

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ''द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ''इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।''

सई ने कहा, ''मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।''

'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस पर सई ने कहा, ''सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ''ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।''

सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है।

मेरे करियर में मेरा धर्म कभी बाधा नहीं बना

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, 'मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।' जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।'

'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

मधुर भंडारकर ने 'द वाइव्स' की शूटिंग पूरी की, बॉलीवुड स्टार वाइव्स के अनदेखे पहलू पर स्पॉटलाइट

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।'

पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।' भंडारकर एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस की गई, 'द वाइव्स' इंडिया लॉकडाउन के बाद प्रणव जैन के साथ मधुर भंडारकर की दूसरी कोलेबोरेशन है, यह फिल्म अपनी टाइमलाइन और रियलिस्टिक स्टोरीटेलिंग के लिए काफी पसंद की गई थी। इस प्रोजेक्ट के साथ, यह जोड़ी एक बार फिर आज की सच्चाई पर आधारित कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को सपोर्ट करने के लिए साथ आई है। फिल्म को भंडारकर एंटरटेनमेंट और पीजे मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

मार्वे बीच पर 'ईथा' की शूटिंग कर रहीं श्रद्धा

श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में श्रद्धा मशहूर कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभाती नजर आएंगी। यह फिल्म एक बायोपिक है, जिसमें एक लोक कलाकार के संघर्ष, मेहनत और सफलता की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग साल 2025 में शुरू हुई थी, लेकिन नवंबर में श्रद्धा को पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। चोट के कारण उन्हें कुछ समय के लिए शूटिंग से दूरी बनानी पड़ी। इसके बाद से फिल्म का काम रुका हुआ था। अब श्रद्धा पूरी तरह ठीक होकर दोबारा सेट पर लौट आई हैं। हाल ही में श्रद्धा ने मुंबई के मलाड स्थित मार्वे बीच पर शूटिंग शुरू की है।

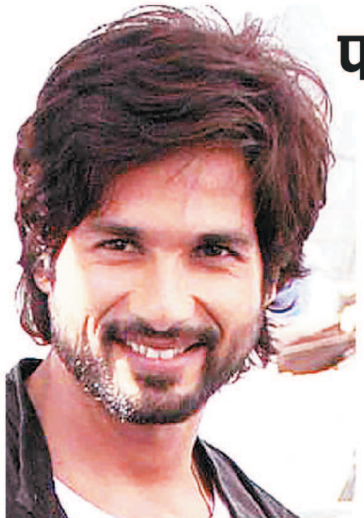

पपाराजी को कभी प्यार से हैंडल करता हूं, तो कभी गुस्से से

एक्टिंग की दुनिया में तकरीबन ढाई दशकों में हर तरह की भूमिकाओं में जान डालने वाले शाहिद कपूर किरदारों के मामले में रिस्क लेने से नहीं हिचकिचाते। रूमानी किरदारों में सराहे गए शाहिद ने अपनी उस चॉकलेटी बॉय की इमेज से निकलने के लिए 'कमीने' जैसी ग्रे शेड वाली भूमिका करने से भी परहेज नहीं किया। 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह', 'जर्सी' और 'फर्जी' जैसी अलग-अलग किरदार कर चुके शाहिद इन दिनों 'ओ रोमियो' में एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। उनसे खास बातचीत।

करियर की शुरुआत में आप ऑडिशन दर ऑडिशन देते जाते थे और आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं?

क्या वाकई मेरे लिए रोल लिखे जाते हैं? मैं खुद को इतनी अहमियत नहीं देता, मगर ये सच है कि 'इश्क विश्क' से पहले मैं तकरीबन 200 ऑडिशन कर चुका था। मैं समझता हूं कि एक कलाकार को खुद को समय के साथ संवारते और निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए। मैं तो शुरुआत से ही एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं। आज हमारी पूरी फिल्म फ्रेटर्निटी इस बात को समझ चुकी है कि हमें एक वक्त में एक ही फिल्म पर फोकस करना होगा।

आपने शुरुआत रोमांटिक रोल्स से की, मगर आगे चल कर आप 'कमीने', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'फर्जी' जैसी भूमिकाओं की तरफ झुक गए?

एक अदाकार के रूप में आपको लड़ना पड़ता है, साबित करना पड़ता है कि आप सिर्फ एक ही तरह की भूमिका नहीं बल्कि कई तरह के रोल्स कर सकते हैं। क्या होता है न कि जब आपको एक रोल में सक्सेस मिल जाती है, तो लोग उसी तरह के किरदार ऑफर करने लगते हैं, तो आपको उससे अलग हटकर करने का जुनून होना चाहिए कि मुझे किसी एक बॉक्स में मत डालो, वरना आप उस लूप में फंस जाते हैं।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ आपकी जोड़ी और केमिस्ट्री काफी अलग मानी जाती है, हमने सुना है कि आपने उनके निर्देशन वाली 'हैदर' के लिए आपने अपनी फीस नहीं ली थी?

हां, मैंने उस फिल्म के लिए पैसे नहीं लिए थे। अगर मैं अपनी फीस लेता तो वो फिल्म नहीं बन पाती, क्योंकि वो फिल्म काफी एक्सपेरिमेंटल थी। जब मुझे उस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि अगर ये कहानी हम बना पाए और मैं इस रोल को कर पाया, तो ये फिल्म मेरे लिए एक खास फिल्म साबित होगी। कमाल की बात ये है कि वो उसी तरह की फिल्म साबित हुई, सच कहूं, तो वो पैसे वाली फिल्म थी ही नहीं। एक एक्टर और सिनेमा प्रेमी को भाने वाली फिल्म थी वो। तो कभी-कभी ऐसी फिल्में एक कलाकार को कर लेनी चाहिए।

शाहिद अपने करियर में आप सबसे मुश्किल दौर से कब गुजरे?

मुश्किल दौर हर समय होता है। देखिए हमारी इंडस्ट्री में रेलेवंस, सामयिकता बहुत जरूरी है, एक एक्टर और स्टार के रूप में। ये दोनों चीजें साथ में चलती हैं। लोग मुझसे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं और ये भी कहते हैं कि मुझमें एक तरह का स्टारडम है, तो फिर उसे एक साथ में लेकर चलना बड़ा मुश्किल होता है। मुझे किसी इमेज में बंधना पसंद नहीं है। कभी-कभी स्टारडम आपको बांध देता है कि यही करो, यही अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि मैं खुलकर एक्सप्लोर करूं, अलग भूमिकाएं करूं, मगर साथ ही मैं स्टारडम भी चाहता हूं, तो फिर वो जद्दोजहद जो होती है, उसे मैनेज करना बहुत मुश्किल होता है। फिर आजकल दर्शकों का मूड बदलता रहता है। कभी-कभी लगता है कि उनका मूड अच्छा है और कभी लगता है कि क्या अजीब-सा मूड है। तो ये आसान नहीं है।

आप मीशा और जैन जैसे दो बच्चों के पिता हैं, क्या बच्चे आपके स्टारडम से वाकिफ हैं? वो आपकी फिल्में देखते हैं?

बिल्कुल वाकिफ हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता क्या काम करते हैं। जहां तक फिल्मों की बात है, तो जो फिल्में वो देख सकते हैं, जरूर देखते हैं। जाहिर है, मेरी सभी फिल्में बच्चों के देखने योग्य नहीं होती। (मुस्कुराते हैं) उन्होंने 'जब वी मेट' देखी थी, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी उन्हें पसंद आई थी। मेरी स्वीट फिल्में उन्होंने देखी हैं।

आजकल के सोशल मीडिया और निरंतर पीछा करने वाले कैमरे और पैपराजी को आप कैसे हैंडल करते हैं?

आप विडियोज में देखती होंगी कि मैं कैसे हैंडल करता हूं, कभी प्यार से और कभी थोड़ा गुस्से से।

किम कर्दाशियन और हैमिल्टन ने रिश्ते पर लगाई मुहर? कैमरे में कैद हुई केमिस्ट्री

कैलिफॉर्निया। सुपर बाउल एलएक्स में किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन की साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को नई हवा दे दी। यूरोप में साथ वक्त बिताने की खबरों के बाद यह पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी। फिलहाल दोनों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन तस्वीरें बहुत कुछ कह रही हैं।

सुपर बाउल एलएक्स के दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने एंटरटेनमेंट दुनिया में हलचल मचा दी। किम कर्दाशियन और फॉर्मूला-वन स्टार लुईस हैमिल्टन कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित लेवी स्टेडियम में मैच का आनंद लेते हुए साथ दिखाई दिए।

इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट में दोनों को साथ देखकर रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। कई वर्षों से दोस्त रहे किम (45) और हैमिल्टन (41) को पहली बार इस तरह आधिकारिक अंदाज में साथ देखा गया तो फैंस कहने लगे कि दोनों ने अपना रिश्ता लगभग ऑफिशियल कर दिया है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो गए, जिनमें दोनों बातचीत करते और मुस्कुराते नजर आए।

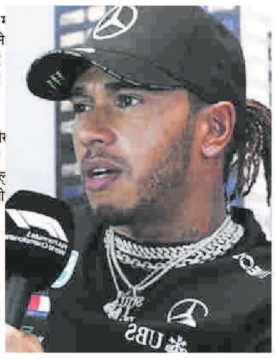

लुक ने भी खींचा ध्यान

इस खास मौके पर किम ने ब्लैक कोट और डायमंड चोकर पहना था। उन्होंने नए बैंग्स हेयरस्टाइल के साथ एंट्री ली। उनके हेयरस्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन ने मैच से पहले फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'सुपर बाउल बैंग्स।'

यूरोप ट्रिप से बढ़ीं चर्चाएं

रिपोर्ट्स के मुताबिक सुपर बाउल से पहले दोनों यूरोप में भी साथ वक्त बिता चुके हैं। वे कॉट्सवॉल्ड्स के एस्टेल मैनर में ठहरे, जहां प्राइवेट डिनर की खबरें भी सामने आईं। इसके बाद लंदन और फिर पेरिस तक उनका सफर चला। द सन से बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, 'किम और लुईस दोनों के काम के शेड्यूल बहुत व्यस्त हैं, इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा समय साथ बिताना चाहते हैं। अभी वे अलग नहीं हो पा रहे और किम के काम के हिसाब से डेट्स प्लान कर रहे हैं।'

किम ने रिश्तों पर क्या कहा था

हाल ही में बहन क्लो कर्दाशियन के पॉडकास्ट पर किम ने रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की थी। उन्होंने कहा, 'अच्छे संस्कार और मूल्य, शांत स्वभाव, भरोसेमंद और जिम्मेदारी लेने वाला इंसान। मेरे लिए यह सबसे अहम है।' उन्होंने अपने बच्चों को प्राथमिकता बताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बच्चों को मेरी जरूरत है। हर रात मैं उन्हें सुलाती हूं, सुबह उठाती हूं, स्कूल भेजती हूं। मेरे पास वक्त नहीं रहा और मैं इससे ठीक हूं।'

अभी तक चुप्पी

हालांकि वायरल तस्वीरों और बढ़ती अटकलों के बीच किम और लुईस, दोनों ने ही अपने रिश्ते पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन फैंस बेहद उत्सुक हैं।

अर्जुन कुच्छल ने श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती

कपिल देव, मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

जयपुर (एजेंसी)। अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के

पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड- सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे।

वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

टीम ने इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

कोलकाता (एजेंसी)। स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं

- लीस्क का ऑलराउंड परफॉर्मेंस - स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्कॉटलैंड की पारी की नींव मुन्से और जोन्स के बीच पहले विकेट के लिए हुई 126 रन की शानदार साझेदारी ने रखी।

दोनों टीमों की प्लेइंग

स्कॉटलैंड: जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वॉट, माइकल लीस्क, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी।

इटली: एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, जेजे स्मट्स, वेन मैडसेन (कप्तान), हैरी मैनेंटी, बेन मैनेंटी, ग्रांट स्टीवर्ट, जियान पिएरो मीडे (विकेटकीपर), क्रिसन कलुगामागे, थॉमस ड्राका, अली हसन।

मैनेंटी ब्रदर्स के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

इटली के लिए बेन मैनेंटी (28 साल) ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 31 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके अलावा उनके छोटे भाई हैरी मैनेंटी (25 साल) ने 37 रन की पारी खेली। दोनों भाइयों के बीच चौथे विकेट 46 बॉल पर 73 रन की पार्टनरशिप हुई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने 4 विकेट झटके। मार्क वॉट ने 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलिवर डेविडसन को 1-1 विकेट मिला।

भांबरी-धाक्षिणेश्वर की मैराथन डबल्स जीत

नई दिल्ली। युकी भांबरी और धाक्षिणेश्वर सुरेश ने रविवार को खेले गए डेविस कप क्वालिफायर्स राउंड-1 मुकाबले में नीदरलैंड्स के खिलाफ रोमांचक डबल्स मैच जीतकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में डेविड पेल और सैंडर आरेंड्स को 7-6 (0), 3-6, 7-6 (1) से हराया। कप्तान रोहित राजपाल का एन. श्रीराम बालाजी की जगह धाक्षिणेश्वर को उतारने का फैसला निर्णायक साबित हुआ। 1-1 की बराबरी के बाद दोनों टीमें बढ़त हासिल करने के लिए बेताब थीं और यह मैच धैर्य, मानसिक मजबूती और दबाव में संयम की कड़ी परीक्षा बन गया।

पहला सेट

पहले सेट में भांबरी की सर्विस लगातार दबाव में रही, खासकर सातवें गेम में जब उनके पहले सर्विस ने साथ छोड़ दिया। 30-ऑल पर डबल फॉल्ट से डच जोड़ी को ब्रेक प्वाइंट मिला, लेकिन भांबरी ने सटीक रिटर्न से खतरा टाल दिया। इसके बाद धाक्षिणेश्वर ने गेम प्वाइंट पर आसान बैकहैंड वॉली चूक दी और आरेंड्स के अटपटे लेकिन असरदार ओवरहेड स्मैश से मेहमान टीम को फिर मौका मिला, मगर भारतीय जोड़ी ने किसी तरह गेम बचा लिया। 11वें गेम में भारत को पांच ब्रेक प्वाइंट झेलने पड़े, लेकिन भांबरी और धाक्षिणेश्वर ने सभी खतरे टालते हुए सर्विस बचाई, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आखिरकार सेट टाईब्रेक में पहुंचा, जहां भारतीय जोड़ी ने गियर बदलते हुए बिना एक भी अंक गंवाए टाईब्रेक अपने नाम कर लिया।

दूसरा सेट

दूसरे सेट में मैच का रुख बदल गया। पेल की सर्विस पर भारतीय टीम मौके नहीं भुना सकी, जबकि भांबरी की डबल फॉल्ट से नीदरलैंड्स को अहम ब्रेक मिला। आरेंड्स ने शानदार बैकहैंड वॉली रिटर्न विनर लगाकर बढ़त बनाई और डच जोड़ी ने सेट जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरा सेट

निर्णायक सेट में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारत को शुरुआती ब्रेक के कई मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। धाक्षिप्षेवर ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए ब्रेक प्वाइंट बचाया। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब आरेंड्स ने बाएं हाथ की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उनकी सर्विस की धार कम हो गई, जिसका फायदा उठाकर भारतीय जोड़ी ने आखिरकार नियंत्रण हासिल किया और टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने टाई में 2-1 की अहम बढ़त बना ली है। अब रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल का सामना जेस्पर डी यॉन्ग से होगा, जबकि इसके बाद धाक्षिणेश्वर सुरेश का मुकाबला गाय डेन ओडन से तय है।

इटली में बायएथलॉन मिक्सड रिले में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित होती हुई इटली की टोमाको गियाकोमिल।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

- पूजा, तजिंदरपाल को रजत
- पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है। वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।

वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छ स्थान प्राप्त किया।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3-भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नोमेंट खेला था। वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

नकवी से मिले आईसीसी उपध्यक्ष ख्वाजा, भारत-पाक मैच होने की उम्मीदें बनीं

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नक्वी की लाहौर में रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात के बाद ये विवाद सुलझने की संभावना बढ़ गयी है। इसके लिए एक बैठक यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुई है। पाक मूल के ख्वाजा आईसीसी में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीसीबी पर उनकी अच्छी पकड़ है। बोर्ड में एसोसिएट सदस्य निदेशक के तौर पर उनके पास वोटिंग का अधिकार भी है। आईसीसी बोर्ड ने ख्वाजा को एक मध्यस्थ के रूप में रखा है। बोर्ड के अनुसार ख्वाजा पिछले कुछ समय से नक्वी के संपर्क में हैं।

इटली में खेल सुविधाएं नहीं होने से इंग्लैंड गये थे जसबीर

चेन्नई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के लिए इटली की टीम में शामिल तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह मूल रुप से भारत के पंजाब के रहने वाले हैं। जसप्रीत का परिवार कई साल पहले इटली चला गया था। जसप्रीत के अनुसार उनके लिए यहां खेलना आसान नहीं था क्योंकि इटली में क्रिकेट लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में खेल के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। इस कारण उन्हें एक स्थानीय बर्गमो क्रिकेट क्लब से जुड़ना पड़ा। यहां साधारण सुविधा थी। उसकी प्रतिभा को देखते हुए लोगों ने उसे क्रिकेट कौशल को निखारने इंग्लैंड जाने को कहा। इसके बाद वह बर्मिंघम पहुंच कर खेलने लगे। यहां उन्होंने टैक्सी चालक का भी काम किया। जसप्रीत ने कहा, जब मैं बच्चा था तो भारत में क्रिकेट खेलता था और जब मैं इटली गया तो मैं वही करना चाहता था पर जब मैं इटली गया तो वहां क्रिकेट नहीं था, कोई सही स्टेडियम या ग्राउंड नहीं थे, जैसे मैंने पंजाब में देखे थे। बर्मिंघम एवं जिला प्रीमियर लीग में खेलने वाले 32 वर्षीय जसप्रीत ने कहा, जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैं इंग्लैंड जाकर वहां खेलने लगा क्योंकि वहां टर्फ विकेट थे और खर्चों को पूरा करने के लिए मैंने टेक्सी चलाना शुरू किया।

खास खबर

मृतकों के परिजनों को मिली 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान नंबर 411 सरस्वती नगर, तहसील व जिला दुर्ग निवासी योगेश चक्रधारी की विगत 04 सितम्बर 2022 को सांप के काटे जाने पर उनके परिजन मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ईलाज के दौरान योगेश की मृत्यु 05 सितम्बर 2022 को हुई थी। इसी प्रकार ग्राम लिमतरा तहसील अहिवारा जिला दुर्ग निवासी सौम्य सेन की मृत्यु विगत 01 जून 2024 को अमलेश्वर काली मंदिर के सामने तालाब में नहाने के दौरान पानी में डुबने से मृत्यु और ग्राम कुगदा तहसील भिलाई-03 जिला दुर्ग निवासी भरत यादव की मृत्यु विगत 03 अक्टूबर 2024 को सत्य नगर कुगदा के दम्मा तालाब में नहाने के दौरान पानी में डुबने से हुई थी।

कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. योगेश चक्रधारी के पिता कोमल चक्रधारी, स्व. भरत यादव के पत्नी श्रीमती दुरपति बाई और स्व. सौम्य सेन के पिता हरिहर सेन को क्रमशः 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

नवीन पंचायत भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत

दुर्ग। जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे द्वारा मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत विकासखण्ड धमधा के ग्राम ढाबा में नवीन पंचायत भवन निर्माण के लिए 12 लाख 93 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग द्वारा प्रेषित तकनीकी स्वीकृति के आधार पर अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो का संपादन कायकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी।

भविष्य से खिलवाड़ का आरोप : डीईओ के नोटिस के बाद स्कूल प्रबंधन पर 50 लाख के मुकदमे की तैयारी

राजनांदगांव। उच्च शिक्षा में प्रवेश में बाधक बन वाले स्कूल प्रबन्धन के विरूद्ध उन्नति कोटड़िया द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन अब गंभीर प्रशासनिक कारवाई के दौर में पहुंच चुका है। कलेक्टर जनदर्शन क्रमांक 2090726000052 (04 फरवरी 2026) के संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी, राजनांदगांव ने नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल, बोरी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

डीईओ कार्यालय द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने के बाद भी छात्रा को स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) जारी नहीं किया गया, और न ही किसी वैध कारण अथवा नियम का उल्लेख किया गया। यह कृत्य सीधे-सीधे छात्रा के शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य को प्रभावित करने वाला माना जा रहा है।

डीईओ ने मांगा तथ्यात्मक प्रतिवेदन

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया है कि वह 13 फरवरी 2026 तक पूरे तथ्यात्मक दस्तावेजों सहित अपना पक्ष प्रस्तुत करे, ताकि प्रकरण का समय-सीमा में निराकरण किया जा सके।

अब कानूनी मोर्चा: 50 लाख के मुकदमे का नोटिस

इधर, आवेदिका उन्नति कोटड़िया ने स्पष्ट कर दिया है कि मेरे भविष्य के साथ जानबूझकर खिलवाड़ किया गया है। यदि मुझे मानसिक, शैक्षणिक और करियर नुकसान की भरपाई नहीं मिली तो स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध 50 लाख रुपये का दीवानी व क्षतिपूर्ति मुकदमा दायर किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में कानूनी नोटिस तैयार किया जा रहा है, जिसे शीघ्र ही स्कूल प्रबंधन को भेजा जाएगा।

प्रश्नों के घेरे में स्कूल प्रबंधन

12वीं पास छात्रा को TC रोकने का अधिकार किस नियम के तहत? क्या यह दबाव, प्रताड़ना या अवैध वसूली का मामला है? शिक्षा विभाग के निर्देशों की अवहेलना क्यों? क्या अन्य छात्रों के साथ भी ऐसा व्यवहार किया गया?

शिक्षा विभाग की साख पर भी सवाल

यह मामला अब केवल एक छात्रा का नहीं, बल्कि निजी स्कूलों की मनमानी और शिक्षा माफिया संस्कृति पर बड़ा प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है। यदि समय रहते सख्त कारवाई नहीं हुई, तो यह उदाहरण अन्य स्कूलों को भी कानून तोड़ने का खुला संदेश देगा।

लोकार्पण से पहले ही उठे बड़े सवाल, खसरा नंबर में हेरफेर का आरोप

सांसद निधि से बना सामुदायिक भवन बना किराये की दुकान?

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

सांसद निधि योजनांतर्गत वार्ड क्रमांक 26 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 2.50 लाख की राशि नगर निगम राजनांदगांव को दी गई थी, लेकिन यह भवन आज तक न तो सार्वजनिक उपयोग में आया, न ही इसका लोकार्पण हुआ। उलटे, इस भवन को लेकर खसरा नंबर में हेरफेर, सार्वजनिक कुएँ को ढंकने और भवन में किरायेदार बैठाने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं।

इस पूरे मामले को लेकर समाजसेवी राजकुमार गुप्ता, पूर्व पार्षद जितेन्द्र शर्मा एवं पूर्व पार्षद राधा अशोक खंडेलवाल ने सांसद संतोष पांडे से लिखित रूप में निरीक्षण, लोकार्पण एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

पहले रजिस्ट्री डाक से भेजा गया पत्र, फिर भी कार्रवाई शून्य

शिकायतकर्ताओं द्वारा पहले ही रजिस्ट्री डाक के माध्यम से पत्र भेजकर नगर निगम एवं संबंधित विभागों को मामले से अवगत कराया गया था। पत्र में स्पष्ट रूप से बताया गया कि– जिस खसरा नंबर पर सामुदायिक भवन स्वीकृत हुआ, उसी स्थान पर सार्वजनिक पक्का कुआँ (छत्तीसगढ़ शासन नजूल भूमि) मौजूद था, लेकिन दस्तावेजों में खसरा नंबर 215 को बदलकर 216 दर्शाया गया।

जांच बिंदुओं में चौंकाने वाले तथ्य

दस्तावेजों में दर्ज तथ्यों के अनुसार , 27.5.2025 को सार्वजनिक कुएँ को पक्का स्लैब डालकर ढंकने की शिकायत। 10.06.2025 को नगर निगम द्वारा सर्वे। 26.06.2025 को अवैध दुकान संचालक को नोटिस। 11.07.2025 को जवाब में कुएँ को आंशिक रूप से ढंका बताया गया। अवैध समिति द्वारा निर्माण को सामुदायिक भवन बताने की कोशिश। मंदिर समिति के नाम से बिना पंजीयन, बिना लेटर पैड जवाब – जो प्रथम दृष्टया अवैध।

वर्तमान स्थिति में कुआँ पूरी तरह ढंका हुआ

सवाल जो सीधे सांसद निधि की पारदर्शिता पर उठते हैं। जब सामुदायिक भवन का लोकार्पण ही नहीं हुआ, तो भवन में किरायेदार किसके आदेश से बैठाया गया? क्या सांसद निधि से बने भवन को व्यवसायिक उपयोग में देना नियमों का उल्लंघन नहीं? खसरा नंबर बदलने में नगर निगम और राजस्व विभाग की भूमिका क्या है? सार्वजनिक कुएँ को ढंककर जल स्रोत खत्म करने की अनुमति किसने दी?

सांसद से सीधी मांग

शिकायतकर्ताओं ने सांसद संतोष पांडे से मांग की है कि– वे स्वयं स्थल निरीक्षण करें, सामुदायिक भवन का सार्वजनिक लोकार्पण/निरीक्षण प्रेस की मौजूदगी में कराएं, और नगर निगम, जिला योजना सांख्यिकी विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त जांच कराई जाए।

जनहित बनाम कागजी विकास

यह मामला केवल एक भवन का नहीं, बल्कि सांसद निधि के दुरुपयोग, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और जनहित की अनदेखी का प्रतीक बनता जा रहा है। अब देखना होगा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन जवाबदेही निभाते हैं या यह मामला भी फाइलों में दफन हो जाएगा।

जिले में प्रतिबंधित गुटखा, तंबाकू उत्पादों की बिक्री, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध चलाया जा रहा सघन अभियान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि विभाग दुर्ग द्वारा जिले में प्रतिबंधित गुटखा एवं तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में विभागीय टीम द्वारा पाटन नगर पंचायत में स्थित विभिन्न विद्यालयों के आसपास पान ठेलों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 के तहत निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण किये गये फर्मों में किसी प्रकार की जर्दायुक्त गुटखा नही पाये गये। खाद्य एवं औषधि विभाग दुर्ग द्वारा जिले में प्रतिबंधित गुटखा एवं तंबाकू उत्पादों की बिक्री, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभागीय टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया गया।

अभिहीत अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि गुटखा एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियाँ एवं अन्य गंभीर रोग होने की आशंका अत्यधिक बढ़ जाती है। इन्हीं कारणों से राज्य में गुटखा एवं तंबाकू युक्त उत्पादों के विक्रय एवं भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। अभियान के अंतर्गत दुकानदारों, उपभोक्ताओं एवं आम नागरिकों को प्रतिबंध से संबंधित नियमों की जानकारी दी जा रही है तथा तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कारवाई की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि वे स्वयं गुटखा एवं तंबाकू उत्पादों से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें। किसी भी प्रकार की अवैध बिक्री या भंडारण की सूचना विभाग को देकर सहयोग प्रदान करें।

जनसेवा, स्वास्थ्य और खेल क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे इंद्रजीत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय में समिति अध्यक्ष एवं हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों एवं युवाओं से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा त्वरित समाधान हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों के आमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं।

इसी क्रम में बीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर के रूप में इंद्रजीत सिंह ने अस्पताल का निरीक्षण कर उपचाररत मरीजों से मुलाकात की एवं उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने डॉक्टरों एवं सहायक स्टाफ से उपचार प्रक्रिया, मरीजों की स्थिति एवं आवश्यक मेडिकल रिपोर्ट्स की जानकारी प्राप्त करते हुए बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सामाजिक सरोकार निभाते हुए वे सेक्टर-5, भिलाई निवासी सूपभान सिंह एवं उदयभान जी की माता स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी की शोकसभा में शामिल हुए। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया तथा ईश्वर से परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

इसके साथ ही हुडको यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा हुडको क्रिकेट स्टेडियम, भिलाई में आयोजित यूनिटी कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में भी इंद्रजीत सिंह ने सहभागिता की। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सफल आयोजन के लिए समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भिलाई नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद सीजू एंथोनी, आयोजन समिति के राहुल भोंसले, रेहान अहमद, गोल्डी सोनी सहित सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष योगा राव, शाहनवाज कुरैशी एवं बड़ी संख्या में युवा खलाड़ी, नगरवासी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इंद्रजीत सिंह की निरंतर सक्रियता को क्षेत्र में सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य संवेदनशीलता एवं युवाओं के प्रोत्साहन का सकारात्मक उदाहरण माना जा रहा है।

समीक्षा सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस का हो संचालन, राशन दुकानों में 20 तारीख को चावल उत्सव

बायोमेट्रिक अटेडेंस पर ध्यान देवें अधिकारी - कलेक्टर सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में लंबित समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारी बायोमेट्रिक अटेडेंस पर विशेष ध्यान देवें। निर्धारित समय के पूर्व कार्यालय पहुंचकर स्वयं की उपस्थिति बायोमेट्रिक अटेडेंस के माध्यम से सुनिश्चित करें। साथ ही अधिनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को भी समय पर कार्यालय पहुंचकर और उपस्थिति बायोमेट्रिक अटेडेंस में दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने मौके पर जिला कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति का अवलोकन किया। विलम्ब से पहुंचने वाले और प्रक्रिया के प्रति उदासीन बरतने वालों पर नाराजगी व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में अधिकारी स्वयं सुबह 10 बजे से पूर्व पहुंचना सुनिश्चित करें, ताकि मातहत कमर्चारी भी समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर सकें। कलेक्टर ने कार्यालयों की संचालन प्रणाली हेतु ई-ऑफिस पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यालयों में नई फाइले ऑनलाईन ई-ऑफिस के माध्यम से बनायी जाए। अधिकारी अधिनस्थ कार्यालयों में भी अधिकारी/कर्मचारियों व ऑनबोर्डिंग की व्यवस्था कर ई-ऑफिस प्रणाली संचालित करें। विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों की गोपनीय प्रतिवेदन ऑनलाईन ई-ऑफिस के माध्यम से बनेगी।

कलेक्टर ने अगवत कराया कि जिले के राशन दुकानों में 20 तारीख को चावल उत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने नान और खाद्य विभाग के अधिकारियों को समय पूर्व सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में

चावल का भण्डारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों और स्कूली बच्चों का जिनका अभी तक आधार कार्ड नहीं बना है, उसके लिए शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाये जाएंगे। इस दौरान ऐसे बच्चे जिनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया, उन बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन की जानकारी ली। साथ ही निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को शीघ्र निर्माण प्रारंभ कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिले के सभी स्कूलों में बालिका शौचालय की व्यवस्था हो, ऐसे स्कूल जहां बालिका शौचालय नहीं है, वहां निर्माण हेतु जिला शिक्षा अधिकारी शासन को प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को संबंधित क्षेत्र में संचालित खदानों का सीमांकन करने तथा अवैध खनिज उत्खनन पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदार को अवैध उत्खनन के मौका-निरीक्षण के दौरान जितना उत्खनन हुआ है घनमीटर माप कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन के माप अनुसार ही जुर्माना अधिरोपित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व के सभी अविवादित प्रकरण ग्राम पंचायत के हस्तांतरित होना है। सभी एसडीएम इस हेतु आवश्यक पहल करना सुनिश्चित करें। पीएचई विभाग द्वारा जिन गांवों में नल-जल योजना अंतर्गत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुकी है, उसे पंचायत को हैण्डओवर किया जाना है। योजना के संचालन हेतु संबंधित जनपद पंचायत के माध्यम से नल-जल मित्र का चयन किया जाना है। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत के अधिकारी आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पानी की समस्या वाले गांवों को चिन्हांकित कर आवश्यक व्यवस्थाएं हेतु अभी से पहल करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा के दौरान अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के स्वीकृत निर्माण कार्य प्रारंभ कराने तथा जो निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं, ऐसे कार्यों पर यु.सी./सी.सी. सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को प्रेषित करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत कार्य दो माह में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला पंजीयक सहकारी समितियां को 31 नई सहकारी समितियों के लिए जमीन आबंटन एवं अन्य व्यवस्था हेतु आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। उन्होंने विगत 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित कलेक्टर कांफ्रेंस के दौरान विभागों को दिये गये निर्देशों के संबंध में पालन प्रतिवेदन तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में एसआईआर के दौरान नोटिस उपरान्त दस्तावेज सत्यापन कार्य की विधानसभावार समीक्षा की गई एवं सभी ई.आर.ओ. को कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान समय-सीमा के प्रकरणों को समयावधि में निराकृत करने के निर्देश दिये। बैठक में वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर बिरेन्द्र सिंह एवं श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरत राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती शिल्पी थामस, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।